Bhopal News

02 Oct ,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
1	Patrika	Bhopal	02.10.2023	12	भोपाल मेट्रो: राजधानी में ट्रेन का फाइनल ट्रायल कल	Neutral

MY CITY
माय सिटी 03 पत्रिका
भोपाल, सोमवार, 02 अक्टूबर 2023

फोटो स्टोरी

भोपाल मेट्रो : राजधानी में ट्रेन का फाइनल ट्रायल कल

भोपाल. 3 अक्टूबर को मेट्रो के सुभाष मेट्रो स्टेशन से रानी कमलापति तक प्रियोरिटी कॉरीडोर में मेट्रो का फायनल ट्रायल होगा। एम्स से सुभाष ब्रिज तक 6.22 किमी लंबे ट्रैक में से करीब साढ़े चार किमी के ट्रैक पर फायनल ट्रायल होगा।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
2	Haribhumi	Bhopal	02.10.2023	04	भोपाल मेट्रो के ट्रायल रन को कल सीएम चौहान दिखाएंगे हरी झंडी	Neutral

सुभाष नगर स्टेशन से आरकेएमपी तक करेंगे सफर

भोपाल मेट्रो के ट्रायल रन को कल सीएम चौहान दिखाएंगे हरी झंडी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्य प्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन ने भोपाल और इंदौर की जनता को मेट्रो की सौगात देने कदम बढ़ा दिए हैं। इंदौर में फाइनल ट्रायल रन को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने हरी झंडी दिखाकर शुरू कर दिया। जबकि भोपाल में तीन अक्टूबर मंगलवार को सुबह 11 बजे मुख्यमंत्री हरी झंडी दिखाएंगे।

भोपाल में सेफ्टी रन पूरा हो चुका है, जबकि मेट्रो का फाइनल ट्रायल रन तीन अक्टूबर से शुरू हो जाएगा। ट्रायल रन पांच से छह महीने तक चलेगा। भोपाल में सुभाष नगर से रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के बीच ट्रायल रन शुरू हो जाएगा।

सात किमी का कॉरिडोर बनाया

भोपाल में मेट्रो का 30.95 किमी ट्रैक तैयार हो रहा है। इसमें से प्रथम चरण में भोपाल में 7 किमी का प्रायोरिटी कॉरिडोर बनाया गया है। इसमें सुभाष नगर और रानी कमलापति के बीच करीब चार किमी के ट्रैक पर ट्रायल होगा। भोपाल मेट्रो को आल्सटॉम ट्रांसपोर्ट इंडिया लिमिटेड कंपनी करीब 25 मेट्रो ट्रेन सेट आएंगे।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
3	Navduniya	Bhopal	02.10.2023	07	मेट्रो से मिलेगी अर्थव्यवस्था को रफ्तार.. जरूरत है ईमानदार प्रयास की	Positive

मुद्दा

नवदुनिया
भोपाल, सोमवार 02 अक्टूबर, 2023 07
www.naidunia.com

मध्य प्रदेश डायरी

मेट्रो से मिलेगी अर्थव्यवस्था को रफ्तार... जरूरत है ईमानदार प्रयास की

तेज गति से बढ़ती वाहनों की संख्या के कारण सड़के पड़ने लगी है छोटी, सार्वजनिक परिवहन के नए साधनों से महानगर बनते शहरों में प्रदूषण भी होगा कम

डा. जितेंद्र व्यास
इनपुट एडिटर, इंदौर

देश के तेजी से विकसित हो रहे प्रदेशों में मध्य प्रदेश इस समय सबसे आगे दौड़ रहा है। यहां होने वाले नवाचारों से अर्थव्यवस्था तो बेहतर हो ही रही है, आमजन के लिए सर्वसुविधाएं भी सुलभ होने लगी हैं। इसी कड़ी में मध्य प्रदेश ने विकास की राह में एक और कीर्तिमान स्थापित कर लिया है। इंदौर में प्रदेश की पहली मेट्रो ट्रेन के ट्रायल रन के साथ ही लोक परिवहन के क्षेत्र में नए अध्याय की शुरुआत हो गई। इंदौर के बाद अब भोपाल में भी जल्द ही मेट्रो का ट्रायल रन होगा और इसके बाद जबलपुर और ग्वालियर को भी मेट्रो जैसे तेज परिवहन माध्यम की सौगात मिलेगी। इंदौर सहित प्रदेश के अन्य बड़े शहरों में भी आइटी और औद्योगिक क्षेत्रों का तेजी से विस्तार हुआ है। इसके परिणामस्वरूप शहरी क्षेत्र की आबादी में भी तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। इससे सार्वजनिक क्षेत्र के बुनियादी ढांचे पर जबरदस्त दबाव बढ़ा है। प्रमुख शहरों में बढ़ रही आबादी के साथ ही सड़कों पर वाहनों की संख्या भी बढ़ती जा रही है। इससे सिर्फ यातायात का दम ही नहीं फूल रहा बल्कि पर्यावरण के लिहाज से भी हम दिल्ली-बेंगलुरु जैसे शहरों की तरह ही अपने शहरों में खराब आबोहवा से जूझ रहे हैं। प्रदेश की राजधानी भोपाल में 15 लाख से ज्यादा रजिस्टर्ड वाहन सड़कों पर दौड़ रहे हैं तो इंदौर में 21.5 लाख दो पहिया और चार पहिया वाहन सड़कों पर होते हैं। इनकी संख्या हर माह तेजी से बढ़ भी रही है। 31 मार्च 2023 को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष के आंकड़ों पर की गौर किय जाए तो अकेले इंदौर शहर में ही एक वर्ष में परिवहन विभाग के पास रजिस्टर्ड होने वाले वाहनों की संख्या 1 लाख 61 हजार है। उधर भोपाल में भी इसी अवधि में 98 हजार 572 वाहन पंजीकृत हुए हैं। ग्वालियर में 70 हजार 928 और जबलपुर में 62281 नए वाहन सड़कों पर आ गए। वाहनों की इस गति से बढ़ती संख्या को देखते हुए यह अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है कि भले ही प्रदेश का कोई शहर महानगर श्रेणी

इंदौर मेट्रो ट्रायल रन के दौरान ट्रैक पर खड़ी मेट्रो ट्रेन। • नवदुनिया

में फिलहाल नहीं हो लेकिन ट्रैफिक जाम, प्रदूषित हवा और सड़कों पर वाहनों की रेलमपेल में जल्द ही यहां के शहर महानगरों को टक्कर देने लगेंगे। शहरों की बात करें तो यहां 20 प्रतिशत यात्री भी फिलहाल लोक परिवहन के साधनों का इस्तेमाल नहीं करते हैं। 53 प्रतिशत लोगों के पास अपने दो व चार पहिया वाहन हैं, जिनका इस्तेमाल वे आधा-एक किमी के सफर के लिए भी करते हैं। यही कारण है कि सड़कों के हाल दिनों-दिन खराब होते जा रहे हैं। वाहनों की बढ़ती संख्या पर्यावरण के लिहाज से भी कितनी चुनौतीपूर्ण है इसी से समझा जा सकता है कि एक पेट्रोल व डीजल कार एक वर्ष में 4.6 मीट्रिक टन कार्बन डाई आक्साइड उत्पन्न करती है। अकेले इंदौर में रजिस्टर्ड कारों की संख्या ही चार लाख से अधिक है। इन्हीं से 18.2 लाख मीट्रिक टन कार्बन डाई आक्साइड उत्सर्जित होती है। इसमें तिपहिया और लोडिंग वाहन भी शामिल कर लिएं जाए तो प्रदूषण की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। वाहनों की बढ़ती संख्या के लिहाज से सड़कें तो काफी पहले ही छोटी पड़ने लगी हैं, लेकिन अब प्रदेश के शहरी क्षेत्र में चलने वाले वाहनों की रफ्तार 15-17 किमी प्रतिघंटा से अधिक नहीं रह गई है। जबकि दिल्ली-मुंबई, चैन्नई जैसे शहरों में शहरी क्षेत्र में चलने वाले वाहनों की रफ्तार 25 किमी प्रतिघंटा है।

शहरों के निरंतर आर्थिक विकास के लिए आवश्यक हो गया है कि बेहतर सड़क नेटवर्क के साथ हम मेट्रो जैसे त्वरित परिवहन माध्यमों का जाल तेजी से बिछाएं। बीते दस वर्षों में इंदौर, भोपाल और ग्वालियर जैसे शहरों में विकसित हुए नए औद्योगिक क्लस्टर, स्टार्टअप और आइटी पार्क ने इन शहरों की आर्थिकी के साथ ही भौगोलिक संरचना को भी बदल दिया है। डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के विस्तार से तैयार हो रहे इस नए इको सिस्टम के कारण शहरों की सीमाओं ने अपना दयरा भी बढ़ा लिया है। यह भी आवश्यक हो गया है कि इन औद्योगिक क्षेत्रों के आसपास बन रहे नए आबादी क्षेत्रों में रहने वालों को परिवहन के अच्छे साधन उपलब्ध करवाए जाएं। दस लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में उपलब्ध सड़कें और फ्लाइओवर के साथ ही बस, रिक्शा या अन्य लोक परिवहन के साधन इतने पर्याप्त नहीं हैं कि वे यात्रियों को सुविधा दे सकें। इंदौर सहित प्रदेश के बड़े शहरों में अब मेट्रो ही भविष्य की जरूरत है। उज्जैन में महाकाल-महालोक बनने के बाद इंदौर से सड़क मार्ग से उज्जैन पहुंचने वाले यात्रियों की संख्या ही हर दिन एक लाख से अधिक है। इसी तरह इंदौर से पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र में भी हर दिन डेढ़ लाख से ज्यादा लोग अप-डाउन करते हैं। नए आइटी पार्क में आने वाली अंतरराष्ट्रीय कंपनियां भी शहरों में परिवहन और आवागमन के साधनों का अध्ययन कर निवेश के लिए कदम बढ़ाती हैं। यही हाल भोपाल में मंडीदीप, बैरागढ़ सहित आसपास के क्षेत्रों में भी है।

लेकिन इन शहरों में व्यवस्था को जिस चुनौती से जूझना है, वह है मेट्रो के रूट तक पब्लिक ट्रांसपोर्ट को जोड़ना। बी-टाउन शहरों में लोक परिवहन के साधनों का इस्तेमाल इसलिए भी अधिक नहीं होता क्योंकि फीडर रोड से मुख्य मार्गों तक कनेक्टिविटी बेहतर नहीं मिल पाती। यही वजह है कि इन शहरों में लोग अपने वाहनों से सफर करना अधिक पसंद करते हैं। नए दौर की इस परिवहन सेवा को इन शहरों के रहवासी आत्मसात तभी कर पाएंगे जब उन्हें घर के नजदीक से मेट्रो स्टेशन तक की सीधी कनेक्टिविटी मिल जाए। देश के सबसे स्वच्छ और सबसे स्मार्ट शहर इंदौर से इस नए कदम की शुरुआत के मायने भी यही है कि यह शहर नवाचार को न सिर्फ तुरंत स्वीकार करता है बल्कि उसे सफल कर दूसरों को बता भी देता है कि यह राह मुश्किल नहीं है। अहमदाबाद जैसे शहर इसका बेहतर उदाहरण भी हैं। मेट्रो ट्रेन के सफलतम संचालन से वहां की सड़कों से 70 लाख वाहन सालाना कम हुए हैं। इससे शहर का पर्यावरण तो बेहतर हुआ ही है बल्कि वर्षा का मौसम हो या क्रिकेट मैच का उल्लास, यात्रियों को आवाजाही में सुगमता मिली है। मप्र में भी हमें इस नेटवर्क को तेजी से विस्तारित करने के ईमानदार प्रयास करने की जरूरत है ताकि भविष्य के मध्य प्रदेश मेट्रो पर सवार होकर विकास की पटरियों पर आगे बढ़ता चले।

Bhopal News

03 Oct ,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
4	Patrika	Bhopal	03.10.2023	12	मेट्रो का ट्रायल आज	Neutral

य एषु सुप्तेषु जागर्ति | भोपाल, मंगलवार, 3 अक्टूबर, 2023 | आश्विन कृष्ण पक्ष पंचमी संवत् 2080

पत्रिका

भोपाल का नया दौर... सुभाष स्टेशन से रानी कमलापति तक चलेगी मेट्रो

हमारे गर्व का दिन

मेट्रो का ट्रायल आज

1467 दिन की मेहनत

4.5 किमी का ट्रैक

241 दिन का अब इंतजार सफर के लिए

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. कभी भोपाल की शान तांगे, टमटम और ऑटो थे। अब भोपाल की नई पहचान सुभाष नगर, सरगम सिनेमा और एम्स जैसे मेट्रो स्टेशन होंगे। 1467 दिनों की प्रतीक्षा मंगलवार को साकार होने जा रही है। सुभाष रेलवे स्टेशन से सुबह करीब 11 बजे सीएम शिवराज सिंह व मंत्री भूपेंद्र सिंह मेट्रो के ट्रायल रन को हरी झंडी दिखाएंगे। ट्रेन सुभाष स्टेशन से रानी कमलापति तक करीब साढ़े चार किमी का रन करेगी। करीब 241 दिन बाद इसका रेगुलर संचालन शुरू होगा। 26 सितंबर 2019 को भोपाल मेट्रो कल नींव रखी गई थी।

आज कौन होगा मेट्रो का लोको पायलट

भोपाल मेट्रो अभी किराए के ऑपरेटर से रन कराई जाएगी। मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के पास खुद का स्टाफ नहीं हैं। ठेका एजेंसी के ही ट्रेंड कर्मचारी ट्रायल को पूरा करेंगे। स्टाफ को भी ठेका एजेंसी एल्सट्रॉम ही ट्रेंड करेगी।

दो माह में होंगी 200 नियुक्तियां

चार माह से मेट्रो संचालन के लिए नियुक्तियां चल रही हैं। अगले दो माह में 200 का स्टाफ नियुक्त होगा। इसमें स्टेशन प्रबंधक से लेकर सिग्नल और अन्य स्टाफ रहेगा। डेढ़ साल में इसकी संख्या डेढ़ हजार के करीब होगी।

रैक के साथ आए थे चार लोको पायलट

एल्स्ट्रॉम कंपनी ने तीन कोच के रैक के साथ अपने चार लोको पायलट भी भेजे थे। इनमें अरुण वर्मा, मनीष गोस्वामी सोमवार को मेट्रो ट्रेन का संचालन करेंगे। ये पायलट 18 सितंबर से ही भोपाल में हैं। यहां सेफ्टी ट्रायल के साथ लगातार मेट्रो की रनिंग कर रहे हैं। ये स्टाफ को ट्रेंड होने तक प्रशिक्षण देते रहेंगे।

हम पर क्या असर

रोहित गुप्ता, *मेट्रो ट्रेन कंसलटेंट, मेट्रो प्रोजेक्ट की डीपीआर बनाई*

मेट्रो के बाद क्या बदलाव?
मेट्रो के बाद ट्रैक के किनारे जो निर्माण होगा, वह शहर की दशा और दिशा तय करेगा।

मेट्रो ट्रेन कितनी जरूरी थी?
2031 तक भोपाल की आबादी 36 से 38 लाख होगी। तब महंगे पब्लिक ट्रांसपोर्ट से बचने के लिए और एक कोने से दूसरे कोने में पहुंचने के लिए मेट्रो की बड़ी भूमिका होगी।

क्या आर्थिक बदलाव होगा?
मेट्रो से आर्थिक सुधार होगा, क्योंकि अन्य शहरों की तुलना में भोपाल का विस्तार ज्यादा है।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
5	Patrika	Bhopal	03.10.2023	02	मेट्रो के स्वागत में दुल्हन की तरह सजा सुभाष नगर स्टेशन	Neutral

BHOPAL PRIME
भोपाल प्राइम

पत्रिका
भोपाल, मंगलवार, 03 अक्टूबर 2023 02

फोटो स्टोरी

मेट्रो के स्वागत में दुल्हन की तरह सजा सुभाष नगर स्टेशन

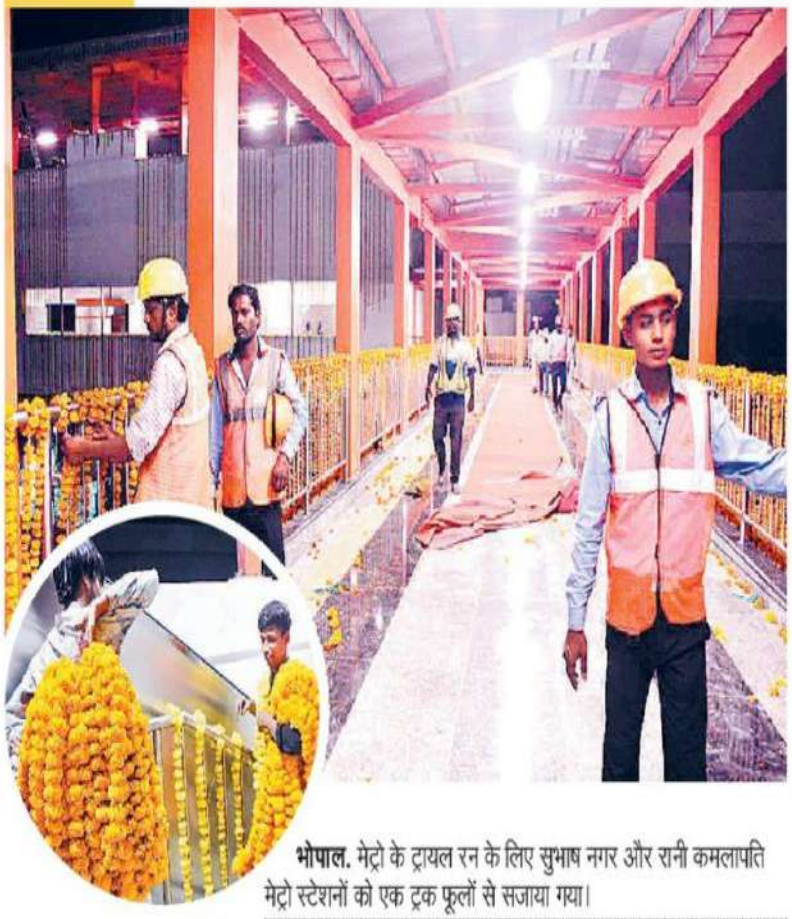

भोपाल. मेट्रो के ट्रायल रन के लिए सुभाष नगर और रानी कमलापति मेट्रो स्टेशनों को एक ट्रक फूलों से सजाया गया।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
6	Dainik Bhaskar	Bhopal	03.10.2023	J2	आज मिलेगा ग्रीन सिग्नल	Positive

दैनिक भास्कर

भोपाल 03-10-2023

Pg-J2

रानी कमलापति स्टेशन तक 5.5 किमी का ट्रायल रन होगा

भोपाल | भोपाल मंगलवार को उन चुनिंदा शहरों में शामिल हो जाएगा, जहां मेट्रो है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान सुबह 11 बजे ट्रायल रन के लिए इसे फ्लैग ऑफ करेंगे। इसके बाद भोपाल मेट्रो सुभाष नगर स्टेशन से रानी कमलापति स्टेशन के बीच 5.5 किमी का सफर तय करेगी। हालांकि, इसके सफर के लिए अप्रैल 2024 तक इंतजार करना पड़ेगा। इंदौर मेट्रो का 30 सितंबर को ट्रायल रन कर दिया गया है। इधर, सुभाष नगर स्टेशन और रानी कमलापति स्टेशन को फूल-लाइटिंग से सजाया गया है।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
7	Dainik Bhaskar	Bhopal	03.10.2023	12	इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमें अव्वल	Positive

दैनिक भास्कर

भोपाल 03-10-2023

Pg-12

इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट में मध्यप्रदेश देशभर में अव्वल

मध्यप्रदेश नगरीय विकास के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां प्राप्त कर रहा है। इंडिया स्मार्ट सिटीज अवार्ड्स कॉन्टेस्ट-2022 में उत्कृष्ट कार्यों के आधार पर प्रदेश की पांच स्मार्ट सिटी को विभिन्न श्रेणी में 13 अवार्ड मिले हैं। प्रदेश को बेस्ट स्टेट का अवार्ड मिला है और इन्दौर नेशनल स्मार्ट सिटी अवार्ड में प्रथम स्थान पर है। प्रदेश में 2 हजार 792 अनाधिकृत कॉलोनियों को वैध किया जा रहा है, इससे 35 लाख लोगों को लाभ मिलेगा। इन उपलब्धियों के लिए प्रदेशवासियों को बधाई। नगरीय विकास की दिशा में आगे बढ़ते हुए भोपाल और इंदौर में हम मेट्रो ट्रेन के संचालन की ओर अग्रसर हो रहे हैं। हमारी पिछली सरकार ने भोपाल और इंदौर को मेट्रो सिटी बनाने का निर्णय लेकर इस दिशा में काम भी शुरू कर दिया था, लेकिन दूसरी सरकार आने के कारण पंद्रह महीने काम बंद रहा। कोरोना की कठिन परिस्थितियों के बाद भी हमारी सरकार ने भोपाल और इन्दौर में मेट्रो रेल के लिए तेजी से कार्य किया। इंदौर में सफल ट्रायल हो चुका है और भोपाल में आज होने जा रहा है।

•••

शिवराज सिंह चौहान, मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
8	Dainik Bhaskar	Bhopal	03.10.2023	12	इंदौर मेट्रो का उज्जैन और पीथमपुर तक, भोपाल मेट्रो का सीहोर और मंदीदीप तक होगा विस्तार	Positive

दैनिक भास्कर भोपाल 03-10-2023 Pg-12

पिछले बीस वर्षों में नगरीय विकास के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों पर मध्यप्रदेश, भोपाल में आज होगा मेट्रो का ट्रायल

इंदौर मेट्रो का उज्जैन और पीथमपुर तक, भोपाल मेट्रो का सीहोर और मंडीदीप तक होगा विस्तार

- स्मार्ट सिटीज में मध्यप्रदेश को बेस्ट अवार्ड, इंदौर को नेशनल स्मार्ट सिटी अवार्ड तथा पांच शहरों को मिले 13 अवार्ड
- 2 हजार 792 अनाधिकृत कॉलोनियों के वैध होने से 35 लाख लोगों को लाभ, जबलपुर में भी मेट्रो चलाने की तैयारी

शिवराज सरकार का महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट 'मेट्रो इन मध्यप्रदेश' जल्द ही अपने अंतिम स्वरूप में नजर आने वाला है। मध्यप्रदेश के इंदौर और भोपाल जल्द ही उन शहरों में शुमार हो जाएंगे जहां मेट्रो ट्रेन जैसी अत्याधुनिक पब्लिक ट्रांसपोर्ट सेवाएं उपलब्ध हैं। इंदौर में मेट्रो का सफल ट्रायल हो चुका है और भोपाल में मंगलवार 3 अक्टूबर को हो रहा है। भोपाल और इंदौर दोनों ही शहरों में स्टेशनों के मुख्य स्ट्रक्चर लगभग तैयार हैं। भोपाल स्थित 6.225 किमी ऐलिवेटिड पुल (वायडक्ट) के डिजाइन तथा निर्माण का लगभग 93% सिविल कार्य पूरा किया जा चुका है। वहीं इंदौर स्थित ऐलिवेटिड पुल (वायडक्ट) के डिजाइन तथा निर्माण जिसकी लम्बाई 17.2 किमी है, के 6.3 किमी के प्राइऑरटी कॉरिडोर का अब तक लगभग 73% सिविल कार्य पूर्ण हो चुका है। भोपाल में अभी प्रायरिटी रूट सुभाष नगर से एम्स तक है। फिलहाल ट्रायल रन के लिए सुभाष नगर से रानी कमलापति स्टेशन तक का ट्रैक तैयार किया गया है। कमर्शियल रन के लिए एम्स तक काम वर्ष 2024 तक पूरा हो जाएगा। यानी अगले वर्ष से यात्री मेट्रो में सफर कर सकेंगे। यही स्थिति इंदौर की भी है। शुरूआत में मेट्रो ट्रेन ड्राइवर चलाएंगे। दो-तीन साल बाद ट्रेन बिना ड्राइवर के ऑटोमैटिक चलाने की कोशिश है।

अत्याधुनिक सुरक्षा प्रणाली वाली है हमारी मेट्रो

मेट्रो के कोच वातानुकूलित रहेंगे। दिव्यांग व्यक्तियों के लिये भी उचित स्थान रहेगा। मेट्रो ट्रेन के प्रत्येक कोच में 50 लोगों के बैठने और 300 लोगों के खड़े होने का स्थान रहेगा। नेशनल कॉमन मॉबिलिटी कार्ड पर स्वचालित टिकटिंग की व्यवस्था होगी। दरवाजे भी स्वचालित रहेंगे। यात्री सूचना प्रदर्शन प्रणाली रहेगी। ग्रेब हेण्डल की लिफ्ट, एस्केलेटर, कस्टमर केयर सेंटर, हिंदी इंग्लिश में अनाउंसमेंट, दिव्यांगों के लिए व्हीलचेयर, अन्य सार्वजनिक सुविधाएं आदि रहेगी। ट्रेन में आपातकालीन संपर्क एवं आपातकालीन द्वार की व्यवस्था भी होगी। बिजली की खपत को कम करने के लिए स्टेशन और डिपो पर सौर ऊर्जा की व्यवस्था की जा रही है। इस ट्रेन का संचालन मध्य प्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड द्वारा किया जाएगा। मध्यप्रदेश की मेट्रो कई आधुनिक सुरक्षा प्रणालियों से लैस होने वाली है, जिसमें अनअटेंडेड आब्जेक्ट आइडेंटिफिकेशन सिस्टम और डिरेलमेंट डिटेक्शन सिस्टम के जरिए यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। ट्रेन के संचालन के लिए इनबिल्ट साइबर सिक्योरिटी सिस्टम का भी इस्तेमाल किया जाएगा। सभी सुरक्षा प्रणालियों के कारण जहां ट्रेन में सफर आरामदायक होगा। वहीं यात्रियों को पूरी सुरक्षा भी मिलेगी। मेट्रो के हर कोच और स्टेशन के साथ अन्य स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। इनमें कैप्चर होने वाले वीडियो से संदिग्ध व्यक्ति का चेहरा मिलान कर वीडियो एनालिटिक्स सिस्टम के जरिए उसकी पहचान की जाएगी। इसके लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिस्टम की मदद ली जाएगी। इसकी मदद से डाटा तैयार किया जाएगा, जिसमें अपराधियों और गुमशुदा बच्चों के फोटो अपलोड किए जाएंगे। अपराधी जैसे ही कैमरे के संपर्क में आएगा, अलार्म बजना शुरू हो जाएगा। इस सिस्टम को मेट्रो के सेंट्रल सर्वर से जोड़ा जाएगा। लंबे समय तक वीडियो फुटेज संरक्षित रखे जा सकेंगे। खास बात यह होगी कि इस सिस्टम के तहत चश्मा पहने हुए व्यक्ति की पहचान करना भी आसान होगा।

गुजरात के सांवली में तैयार हो रहे मेट्रो ट्रेन के बाकी कोच

गुजरात के सांवली में एल्सटॉम ट्रांसपोर्ट इंडिया लिमिटेड भोपाल के लिए 81 और इंदौर के लिए 75 बोगियां बना रही है। एक ट्रेन में तीन बोगी के हिसाब से भोपाल के लिए 27 और इंदौर के लिए 25 मेट्रो ट्रेन तैयार हो रही हैं। शिवराज सरकार द्वारा एल्सटॉम ट्रांसपोर्ट इंडिया लिमिटेड को कुल 156 कोच के साथ सिग्नलिंग, ट्रेन कंट्रोल और टेलीकम्युनिकेशन सिस्टम के निर्माण के साथ कमीशनिंग और मेंटेनेंस का वर्क ऑर्डर दिया गया है। इस बात को पूरी तरह से सुनिश्चित कर लिया गया है कि मेट्रो ट्रेन क्वालिटी के लिहाज से उच्च कोटि की हो। सभी मेट्रो के हर कोच को सर्वसुविधायुक्त तरीके से डिजाइन किया गया है।

सिंहस्थ में मेट्रो से जाएंगे भक्त, 7 लाख यात्री प्रतिदिन यात्रा कर सकेंगे

मध्यप्रदेश सरकार का पूरा प्रयास है कि इंदौर से पीथमपुर और उज्जैन तक मेट्रो ट्रेन का संचालन किया जाए। संकल्प है कि 2028 के सिंहस्थ में श्रद्धालु और आम नागरिक इंदौर से मेट्रो में बैठकर महाकाल बाबा के दर्शन करने जायेंगे। इंदौर और आसपास का क्षेत्र मेट्रोपोलिटन अथारिटी बनेगा। इंदौर में 7500 करोड़ रुपए की लागत से विश्व स्तरीय इंदौर मेट्रो ट्रेन परियोजना का निर्माण पूर्ण होने से नागरिकों को तेज, सुरक्षित, आधुनिक और आरामदेह सफर की सुविधा उपलब्ध होगी। इस सेवा से 7 लाख यात्री प्रतिदिन यात्रा कर सकेंगे। हर मेट्रो ट्रेन में तीन कोच होंगे। इंदौर में कुल 25 मेट्रो ट्रेन संचालित की जाएगी। इन मेट्रो ट्रेनों की रफ्तार 90 किलोमीटर प्रति घंटे की रहेगी।

प्रायोरिटी कॉरिडोर : भोपाल और इंदौर में पांच-पांच स्टेशन, दोनों शहरों के डिपो 30 हेक्टेयर में फैले

भोपाल में आज होने वाले मेट्रो ट्रायल के लिए तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मेट्रो के संचालन के लिए राजधानी भोपाल में एम्स से सुभाष नगर अंडरब्रिज तक आठ स्टेशन बने हैं। ये स्टेशन एम्स, अलकापुरी, DRM ऑफिस, रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, एमपी नगर, बोर्ड ऑफिस, केंद्रीय विद्यालय और सुभाष नगर में बन रहे हैं। सभी स्टेशनों का सिविल काम जमीन से ऊपर दिख रहा है। स्टेशन 100 मीटर लंबे और कम से कम 14 मीटर चौड़े होंगे। इन स्टेशन पर यात्रियों के लिए इंटरनेट सहित अन्य सुविधाएं देने की तैयारी शिवराज सरकार द्वारा की गई है। भोपाल मेट्रो प्रोजेक्ट का तीसरा बड़ा काम डिपो का है, जो सुभाषनगर अंडरब्रिज के पास स्टड फॉर्म की 26.41 हेक्टेयर (65.26 एकड़) जमीन पर बन चुका है। इंदौर मेट्रो ट्रेन प्रायोरिटी कॉरिडोर में गांधी नगर से सुपर कॉरिडोर 3 तक का काम तेजी से चल रहा है। गांधी नगर, सुपर कॉरिडोर 6, 5, 4, 3 स्टेशन का काम तेजी से जारी है। यहां गांधी नगर में लगभग 30 हेक्टेयर इंदौर में रिंग लाइन के तहत मेट्रो संचालन होगा। प्रायोरिटी कॉरिडोर के तहत इंदौर में गांधी नगर से सुपर कॉरिडोर-03 तक लगभग 6.3 किलोमीटर पर ट्रायल रन के महेनजर निर्माण कार्य पूरा किया गया था, वहीं भोपाल में 5.0 किलोमीटर पर काम हो चुका है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पिछले दिनों यह भी घोषणा की है कि जल्द ही जबलपुर में भी मेट्रो ट्रेन चलाने की तैयारी की जाएगी। संस्कारधानी प्रदेश का ऐसा तीसरा शहर बनेगा, जहां मेट्रो दौड़ेगी। मध्यप्रदेश भारत का पहला ऐसा प्रदेश है, जहां एक साथ दो शहरों में मेट्रो दौड़ने वाली है।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
9	People Samachar	Bhopal	03.10.2023	06	मेट्रो के फाइनल ट्रायल रन के लिए सुभाष नगर स्टेशन सज कर तैयार	Positive

बदलते जमाने का अखबार
पीपुल्स समाचार

न्यूज़ पोर्टल | राष्ट्रीय | अंतर्राष्ट्रीय | प्रादेशिक | खेल | व्यापार

भोपाल सिटी Page: 6 October 03, 2023

मेट्रो के फाइनल ट्रायल रन के लिए सुभाष नगर स्टेशन सज कर तैयार

भोपाल। भोपाल मेट्रो ट्रेन का फायनल ट्रायल रन मंगलवार को किया जाएगा। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। इसकी तैयारियों पूरी कर ली गई हैं। सुभाष नगर स्टेशन को फूलों से सजा दिया गया है। ट्रेन भी ट्रायल रन के लिए तैयार कर ली गई है।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
10	Haribhumi	Bhopal	03.10.2023	01	इंदौर के बाद भोपाल मेट्रो भी तैयार ट्रैक पर ;फाइनल टेस्टिंग; ओके हुई	Neutral

भोपाल

मंगलवार 3 अक्टूबर 2023

अश्विन मास कृष्ण पक्ष-04

वर्ष : 10, अंक : 197

पृष्ठ : 16+4=20 मूल्य : 4.00 **

मौसम

अधि. 33

न्यून. 21

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

मिलेगी बड़ी सौगात : मुख्यमंत्री शिवराज आज ट्रायल रन के लिए सुबह 11 बजे दिखाएंगे हरी झंडी

इंदौर के बाद भोपाल मेट्रो भी तैयार ट्रैक पर 'फाइनल टेस्टिंग' ओके हुई

1. पहली बार केंद्रीय विद्यालय व एमपी नगर इलाकों में मेट्रो ने हॉर्न भी बजाया
2. एमपी नगर से सुभाष नगर डिपो तक रास्ता खोल दिया गया, सड़क बन गई

भोपाल मेट्रो रेल परियोजना की स्वीकृत लागत 6941 करोड़ रुपए है। भोपाल में पहले चरण में लगभग 30.95 किमी मेट्रो रेल का काम चल रहा है। इसमें 16.77 किमी ऑरेंज लाइन- एम्स से करोंद चौराहा तथा 14.18 किमी ब्ल्यू लाइन- भदभदा चौराहा से रत्नागिरी तिराहे को जोड़ेगी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान 3 अक्टूबर को सुबह 11 बजे भोपाल मेट्रो रेल ट्रायल रन का हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ करेंगे। ट्रायल रन का शुभारंभ कार्यक्रम सुभाष नगर डिपो में होगा। ट्रायल रन सुभाष नगर स्टेशन से रानी कमलापति स्टेशन तक होगा। सुभाष नगर से रानी कमलापति स्टेशन तक लगभग 5 किमी की दूरी है। भोपाल मेट्रो रेल परियोजना की स्वीकृत लागत 6941 करोड़ रुपए है। भोपाल में पहले चरण में लगभग 30.95 किमी मेट्रो रेल का काम चल रहा है। इसमें 16.77 किमी ऑरेंज लाइन- एम्स से ▶▶ शेष पेज 2 पर

ट्रायल रन सुभाष नगर स्टेशन से रानी कमलापति स्टेशन तक होगा

सुभाष नगर से रानी कमलापति स्टेशन तक लगभग 5 किमी की दूरी

सांवली वड़ोदरा से 17 सितंबर को भोपाल पहुंचे थे कोच

गुजरात के सांवली वड़ोदरा से करीब 850 किलोमीटर की दूरी तय करने के बाद 17 सितंबर की रात में कोच भोपाल आ गए थे। 18 सितंबर को उन्हें डिपो में बने इंस्पेक्शन बे लाइन पर लाया गया था। इसके बाद 25 सितंबर को मेट्रो ट्रैक पर चलाकर देखी गई थी। 6 दिन तक मेट्रो को कई बार ट्रैक पर लाया गया।

मेट्रो कोच और स्टेशन को फूलों से सजाया गया

मेट्रो पांच स्टेशनों केंद्रीय विद्यालय, बोर्ड ऑफिस, एमपी नगर से गुजरेगी। लेकिन फोकस वाले स्टेशन सुभाषनगर और आरकेएमपी ही हैं। मुख्यमंत्री चौहान सुभाषनगर स्टेशन से मेट्रो में सवार होंगे और आरकेएमपी स्टेशन पर उतरेंगे। इसलिए, इन दोनों स्टेशनों को चमकाया गया है। सुभाषनगर स्टेशन पर एस्केलेटर, सीढ़ियां और फुटओवर ब्रिज का काम पूरा कर लिया गया। सोमवार को यहां रेड कारपेट बिछाया गया। मेट्रो कोच और ▶▶ शेष पेज 2 पर

सीएम 5 किमी का मेट्रो में करेंगे सफर

मेट्रो कंपनी अधिकारियों के अनुसार मंगलवार से ट्रेन का ट्रायल रन शुरू हो रहा है। लोगों को कार्यक्रम में पहुंचने में आसानी हो, इसके लिए एमपी नगर से सुभाष नगर डिपो तक रास्ता खोल दिया गया और सड़क भी बना दी गई है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान हरी झंडी दिखाने के बाद सुभाष नगर से रानी कमलापति स्टेशन तक मेट्रो में सफर भी करेंगे। सुभाष नगर से रानी कमलापति स्टेशन तक लगभग 5 किलोमीटर की दूरी वाले ▶▶ शेष पेज 2 पर

इंदौर के बाद भोपाल मेट्रो भी...

करोंद चौराहा तथा 14.18 किमी ब्ल्यू लाइन- भदभदा चौराहा से रत्नागिरी तिराहे को जोड़ेगी। भोपाल मेट्रो फाइनल ट्रायल रन के लिए सुभाष नगर और रानी कमलापति स्टेशन को दुल्हन की तरह सजाया गया है। मेट्रो ट्रेन की फाइनल टेस्टिंग सोमवार को की गई। टेस्टिंग के दौरान मेट्रो सुभाष नगर स्टेशन से रानी कमलापति स्टेशन तक चली और पहली बार केंद्रीय विद्यालय व एमपी नगर इलाकों में मेट्रो ने हॉर्न भी बजाया जिससे लोगों ने वायडक्ट पर चलती हुई मेट्रो की तरफ लोगों की नजर भी गई।

मेट्रो कोच और स्टेशन को फूलों ...

स्टेशन को फूलों से सजाया गया है। डिपो में बड़ा सा डोम बनाया गया है। जहां होने वाले कार्यक्रम को मुख्यमंत्री संबोधित करेंगे।

मुख्यमंत्री आज मीडिया सेंटर का करेंगे भूमिपूजन: मुख्यमंत्री चौहान मंगलवार 3 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे स्टेट मीडिया सेंटर का भूमिपूजन करेंगे। स्टेट मीडिया सेंटर के भूमिपूजन मौके पर प्रदेश के तकरीबन सभी जिलों से पत्रकारों को आमंत्रित किया गया है। इस मौके पर जनसंपर्क मंत्री राजेंद्र शुक्ल उपस्थित रहेंगे।

सीएम 5 किमी का मेट्रो में...

ट्रैक का काम व सिविल वर्क पहले ही पूरे हो चुके हैं। एमपी नगर से सुभाषनगर डिपो के बीच की सड़क पर डामरीकरण कर दिया गया है। केंद्रीय विद्यालय स्टेशन के नीचे का रास्ता भी खोल दिया गया है। इससे अब लोगों को घूमकर नहीं जाना पड़ रहा है। वे एमपी नगर से सीधे सुभाषनगर ओवरब्रिज और अंडरब्रिज तक आ जा सकते हैं। जिंसी के बीच भी सड़क बनाने का काम जल्दी शुरू होगा। यह रास्ता करीब एक साल से बंद था।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
11	Dainik Bhaskar	Bhopal	03.10.2023	03	इंदौर: अंडरग्राउंड मेट्रो के लिए जियो-टैगिंग सर्वे शुरू	Neutral

दैनिक भास्कर

भोपाल 03-10-2023

Pg-03

इंदौर : अंडरग्राउंड मेट्रो के लिए जियो-टैगिंग सर्वे शुरू

इंदौर|पलासिया से आगे मेट्रो रूट के लिए जियो-टैग सर्वे शुरू कर दिया है। पलासिया से कालानी नगर तक मेट्रो अंडर ग्राउंड रहेगी। इसके लिए मिट्टी का परीक्षण करना अनिवार्य है। एजेंसी एक हफ्ते में रिपोर्ट भी दे देगी। रीगल तिराहे व उसके आसपास दो-तीन स्थानों पर जांच की जा रही है। 25 से 30 मीटर तक खुदाई कर देखेंगे कि गहराई में कौन सी मिट्टी है और कितनी चट्टान है।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
12	Rajexpress	Bhopal	03.10.2023	03	मेट्रो ट्रायल रन को मुख्यमंत्री आज करें ऑफ, सफर भी करेंगे	Positive

www.rajexpress.co
राज एक्सप्रेस
3 महानगर
सूर्यास्त (मंगलवार): 06:06 सूर्योदय (बुधवार): 06:13
तापमान अधिकतम 33.1° न्यूनतम 22.4°
भोपाल
मंगलवार, 03 अक्टूबर 2023

मेट्रो ट्रायल रन को मुख्यमंत्री आज करेंगे फ्लैग ऑफ, सफर भी करेंगे

सुभाष नगर से रानी कमलापति स्टेशन तक चलेगी

भोपाल (आरएनएन)। राजधानी में मेट्रो के ट्रायल रन की आधिकारिक शुरुआत होने जा रही है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान मंगलवार सुबह 11 बजे इसे हरी झंडी दिखाएंगे। यह कार्यक्रम सुभाष नगर डिपो में होगा। फिर सीएम मेट्रो रेल में बैठ कर रानी कमलापति स्टेशन तक जाएंगे। यह दूरी करीब पांच किमी है। गुजरात के वडोदरा स्थित सांवली प्लांट से राजधानी के लिए नौ-दस सितंबर की रात तीन कोच रवाना किए गए थे। यह 18 सितंबर की सुबह सुभाष नगर डिपो पहुंच गए थे। इसके बाद तीनों कोच को शंटिंग के जरिए जोड़ा गया। चार्जिंग की गई। कोच में डिस्प्ले सिस्टम, डोर व अन्य तकनीकी उपकरणों की जांच की गई। दिन-रात काम चला। इसके बाद डिपो में ट्रायल ट्रेक पर मेट्रो चलाकर देखी गई। अगले दिन इसे वायाडक्ट यानी जमीन से ऊपर बने ट्रैक पर दौड़ा कर सेफ्टी ट्रायल रन किया गया। अब एलिवेटेड रूट पर मंगलवार से ट्रायल रन का सिलसिला शुरू हो जाएगा। यहां बता दें कि इंदौर में 30 सितंबर को मुख्यमंत्री ट्रायल रन को फ्लैग ऑफ कर चुके हैं।

मई-जून में आम लोग बैठ पाएंगे

मुख्यमंत्री के हरी झंडी दिखाने के बाद ट्रायल रन का दौर छह-सात महीने तक चलेगा। मेट्रो संचालन से लेकर, सिग्नलिंग, केबलिंग, इलेक्ट्रिक वायरिंग, स्टेशनों पर सुरक्षा व सुविधाओं के इंतजाम आदि जांच की जाएगी। मप्र मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के अधिकारियों ने बताया कि इससे पूरी तरह संतुष्ट होने पर मेट्रो रेल सेफ्टी कमिश्नर से निरीक्षण का अनुरोध किया जाएगा। उनकी अनुमति के बाद अगले साल मई-जून में मेट्रो का संचालन आम आदमी के लिए शुरू कर दिया जाएगा।

मेट्रो रेल में यह खास

- ड्राइवरलेस मेट्रो, हालांकि इसमें दो से तीन साल का समय लगेगा
- आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की आधुनिकतम तकनीक पर आधारित
- ऑटोमैटिक ट्रैक निगरानी सिस्टम
- ट्रेन नियंत्रण और प्रबंधन प्रणाली में साइबर सुरक्षा का इंतजाम
- इंटेलीजेंट सीसीटीवी सिस्टम
- प्रत्येक कोच की लंबाई 22 मीटर व चौड़ाई 2.9 मीटर, एक डिब्बे में लगभग 50 लोगों के बैठने और 300 के खड़े रहने की क्षमता
- पकड़ने के लिए ग्रेब हैंडल
- एलईडी पैनल, डिजिटल रूट मैप व साइनेज
- वातानुकूलित

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
13	Navduniya	Bhopal	03.10.2023	03	मेट्रो का ट्रायल रन आज, मुख्यमंत्री दिखाएंगे हरी झंडी	Positive

मेट्रो का ट्रायल रन आज, मुख्यमंत्री दिखाएंगे हरी झंडी

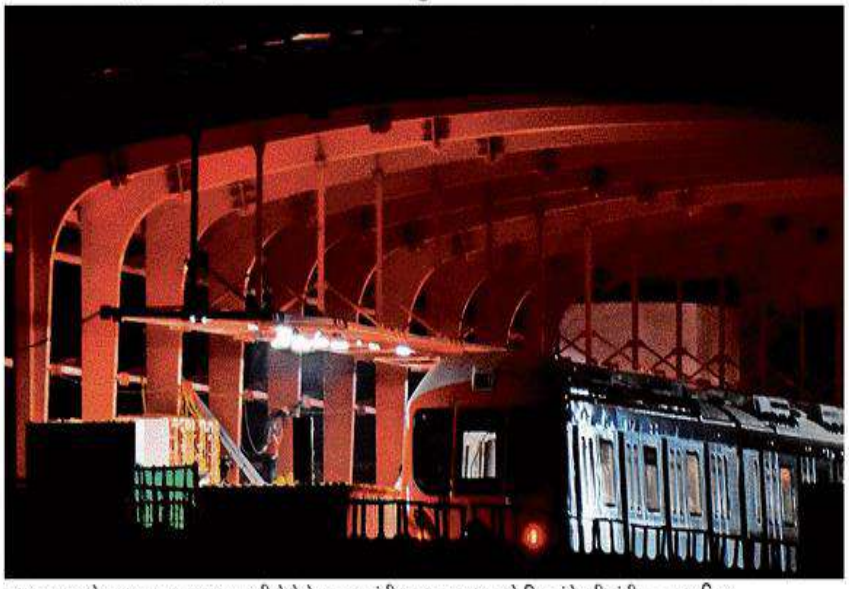

सुभाष नगर स्टेशन पर सज-धजकर खड़ी मेट्रो ट्रेन। मुख्यमंत्री आज ट्रायल रन को दिखाएंगे हरी झंडी। • नवदुनिया

भोपाल (नवदुनिया प्रतिनिधि)। भोपाल मेट्रो के लिए मंगलवार का दिन ऐतिहासिक होने जा रहा है। दरअसल तीन अक्टूबर को सुबह 11 बजे मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान सुभाष नगर डिपो में मेट्रो के ट्रायल रन को हरी झंडी दिखाएंगे। इसके बाद इसी मेट्रो से सुभाष नगर से रानी कमलापति रेलवे स्टेशन तक का सफर करेंगे। इस दौरान मेट्रो की तकनीकी टीम और अधिकारी उनके साथ रहेंगे। बता दें कि ट्रायल रन के मद्देनजर प्रायोरिटी कारिडोर और इसमें पड़ने वाले स्टेशनों को सजाया गया है। ट्रायल रन प्रायोरिटी कारिडोर के सुभाष नगर से आरकेएमपी स्टेशन के बीच ही होगा। मेट्रो कंपनी के अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री सुबह 11 बजे फाइनल ट्रायल रन के लिए सुभाष नगर मेट्रो डिपो से मेट्रो को हरी झंडी दिखा रवाना करेंगे। इससे पहले वह कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। यहां से वह मेट्रो में सवार होकर रानी कमलापति स्टेशन तक पहुंचेंगे और यहां मीडिया से रूबरू होंगे।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
14	Dainik Jagran	Bhopal	03.10.2023	05	20 की स्पीड से दौड़ेगी मेट्रो, 15 मिनिट में रानी कमलापति स्टेशन पहुंचेगी	Positive

दैनिक जागरण
भोपाल, 03 अक्टूबर 2023

राजधानी जागरण 05

20 की स्पीड से दौड़ेगी मेट्रो, 15 मिनिट में रानी कमलापति स्टेशन पहुंचेगी

■ ट्रायल रन आज : सीएम और मंत्री सुभाष नगर स्टेशन से करेंगे सफर

जागरण प्रतिनिधि, भोपाल। भोपाल मेट्रो के सेफ्टी ट्रायल के एक सप्ताह बाद आज मंगलवार सुबह 11 बजे भोपाल मेट्रो का ट्रायल रन होगा। सीएम द्वारा हरी झंडी दिखाने के बाद सुभाषनगर स्टेशन से रानी कमलापति स्टेशन के बीच ट्रायल रन होगा। इस दौरान मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ नगरीय विकास एवं आवास विभाग के मंत्री भूपेंद्र सिंह मेट्रो में सवार रहेंगे। ट्रायल रन के दौरान मेट्रो की स्पीड 15 से 20 किलोमीटर प्रति घंटे के आसपास होगी, जिससे यह सुभाषनगर से चलकर करीब 15 मिनिट में रानी कमलापति स्टेशन पहुंच जाएगी। ट्रायल रन से संबंधित सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

आज होने वाले ट्रायल रन के लिए सुभाष नगर मेट्रो स्टेशन को फूलों से आकर्षक ढंग से सजाया गया है।

दुल्हन की तरह सजाए गए हैं स्टेशन

सुभाष नगर और रानी कमलापति यानी आरकेएमपी मेट्रो स्टेशनों को दुल्हन की तरह सजाया गया है। यूं तो ट्रायल रन के दौरान मेट्रो पांच स्टेशनों से गुजरेगी, लेकिन फोकस वाले स्टेशन सुभाषनगर और आरकेएमपी ही है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान सुभाषनगर स्टेशन से मेट्रो में सवार होंगे और आरकेएमपी स्टेशन पर उतरेंगे। इसलिए इन दोनों स्टेशनों को चमकाया गया है। स्टेशन और मेट्रो को फूल से आकर्षक ढंग से सजाया गया है। बता दें कि सुभाषनगर स्टेशन पर एस्केलेटर, सीढ़ियां और फुटओवर ब्रिज का काम पूरा कर लिया गया है। सोमवार को ट्रायल रन के लिए यहां रेड कॉरपेट बिछाया गया। उधर, डिपो में बड़ा सा डोम बनाया गया है। कार्यक्रम को मुख्यमंत्री संबोधित करेंगे। बड़ी संख्या में लोगों के आने का भी अनुमान लगाया जा रहा है।

आम नागरिकों को कई बार दिखेगी मेट्रो

राजधानी भोपाल में अब समय-समय पर रेलवे ट्रैक पर लोगों को मेट्रो चलते हुई दिखाई देगी। ट्रायल रन के दौरान मेट्रो ट्रेन सुभाष नगर से रानी कमलापति स्टेशन के बीच कई बार अप डाउन करेगी। इसे लेकर ट्रैक पर बीच-बीच में सेफ्टी ट्रायल होते रहेंगे। ट्रेन के अंदर कोई भी यात्री नहीं होगा। जो विशेषज्ञ और कर्मचारी होंगे वह भी सभी सुरक्षा बंदोबस्त के साथ होंगे, लेकिन अपडाउन के दौरान आम नागरिक इस मेट्रो ट्रेन को सुभाषनगर से लेकर रानी कमलापति स्टेशन के बीच कई बार देख सकेंगे।

इन पांच स्टेशनों पर होगा ट्रायल

- रानी कमलापति स्टेशन
- शरगम टॉकीज स्टेशन
- डीबी मॉल स्टेशन
- केंद्रीय स्कूल स्टेशन
- सुभाषनगर स्टेशन।

डिपो तक जाने बनी सड़क

मेट्रो के ट्रायल रन के लिए सीएम का काफिला गुरुद्वेव गुरु चौराहे से होता हुआ सुभाष नगर डिपो पहुंचेगा। यही कारण है कि मेट्रो कंपनी ने इस सड़क को तीन दिन पहले ही बनाकर तैयार कर लिया है। हालांकि अभी केंद्रीय विद्यालय स्टेशन पर काम होना बाकी है। ऐसे में ट्रायल रन के बाद केंद्रीय विद्यालय स्टेशन के नीचे वाली लेन को वापस बंद कर दिया जाएगा और वैकल्पिक मार्ग ही अपनाना पड़ेगा। *

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
15	Pradesh Today	Bhopal	03.10.2023	02	भोपाल में मेट्रो का फायनल ट्रायल कल, तैयारियां पूरी	Positive

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान दिखाएंगे हरी झंडी

भोपाल में मेट्रो का फायनल ट्रायल कल, तैयारियां पूरी

प्रदेश टुडे संवाददाता, भोपाल

भोपाल में मेट्रो का फायनल ट्रायल रन 3 अक्टूबर को होगा। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान हरी झंडी दिखाकर फायनल ट्रायल रन के लिए मेट्रो ट्रेन को रवाना करेंगे। सुभाष नगर से लेकर रानी कमलापति स्टेशन के बीच मेट्रो कोच दौड़ेंगे, जिसमें मुख्यमंत्री सवार होंगे। गौरतलब है कि इंदौर में शनिवार को ही मेट्रो का फाइनल ट्रायल रन किया गया है।

भोपाल में बन रहे आठ स्टेशन

भोपाल में सुभाष नगर से एम्स तक आठ मेट्रो स्टेशन बनाए जा रहे हैं। इसमें सुभाष नगर, केंद्रीय विद्यालय, बोर्ड ऑफिस चौराहा, एमपी नगर जोन-2, रानी कमलापति, डीआरएम ऑफिस, अल्कापुरी और एम्स में आठ स्टेशन बनाए जा रहे हैं। इसमें सुभाष नगर और कमलापति रेलवे स्टेशन का काम 80 प्रतिशत तक पूरा हो गया है।

3-3 कोच की मेट्रो दौड़ेगी

प्रथम चरण में भोपाल में 7 किमी का प्रायोरिटी कॉरीडोर बनाया जा रहा है। इसमें सुभाष नगर और रानी कमलापति के बीच करीब 4 किमी के ट्रेक पर ट्रायल होगा। भोपाल के लिए करीब 25 मेट्रो ट्रेन सेट आएंगे। भोपाल और इंदौर दोनों ही शहर में शुरुआत में 3-3 डिब्बों की मेट्रो दौड़ेगी।

क्या-क्या है खास

- मेट्रो का फायनल ट्रायल सुभाष नगर से रानी कमलापति रेलवे स्टेशन तक 4 किमी रूट पर किया जाएगा।
- ट्रायल रन के लिए जरूरी ट्रैक और बिजली लाइन के काम पूरा हो चुका है।
- गुजरात के सांवली, वडोदरा से लाए गए 3 मेट्रो कोचों की ट्रैक पर टेस्टिंग हो रही है।
- ट्रायल रन के बाद आगे की प्लानिंग की जाएगी।
- मेट्रो में आम आदमी का सफर अगले साल ही शुरू हो पाएगा।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
16	Dainik Bhaskar	Bhopal	03.10.2023	02	भोपाल मेट्रो ट्रायल रन आज मुख्यमंत्री दिखाएंगे हरी झंडी	Positive

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

वर्ष 67 अंक 07 पृष्ठ 12+4= 16

भोपाल, मंगलवार 03 अक्टूबर, 2023

आश्विन कृष्ण पक्ष 04, विक्रम संवत् 2080

महानगर मूल्य 5 रुपए

दैनिक जागरण

www.djmp.in/epaper

भोपाल मेट्रो का ट्रॉयल रन आज मुख्यमंत्री दिखाएंगे हरी झंडी

जागरण प्रतिनिधि, भोपाल। भोपाल मेट्रो का ट्रायल रन मंगलवार को होगा। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान हरी झंडी दिखाकर ट्रायल रन की शुरुआत करेंगे। मुख्य आयोजन सुभाष नगर डिपो में सुबह 11 बजे से शुरू होगा। इस दौरान नगरीय विकास एवं आवास विभाग के मंत्री भूपेंद्र सिंह समेत अन्य जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक मौजूद रहेंगे। बता दें कि इंदौर में मेट्रो का ट्रायल रन 30 सितंबर को हो चुका है। इसके तीन दिन बाद भोपाल मेट्रो का ट्रायल रन किया जा रहा है। मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने ट्रायल रन से संबंधित सभी तैयारियां पूरी कर ली ■ शेष पृष्ठ 9 पर

थर्ड रेल तकनीक पर दौड़ेगी मेट्रो

भोपाल-इंदौर मेट्रो थर्ड रेल तकनीक पर चलाई जा रही है। मेट्रो के आने और जाने वाले ट्रैक के बीच में दो लेन ऐसी बनाई गई हैं, जिनमें करंट दौड़ता रहेगा और मेट्रो इसी करंट की मदद से चलाई जाएगी। डिपो से रैंप के बीच बिछाई गई मेन लाइन चार्ज हो चुकी है, इसी लाइन के जरिए मेट्रो को मंगलवार को डिपो से मेन लाइन तक लाया जाएगा।

भोपाल मेट्रो का ट्रॉयल...

हैं। बता दें कि सीएम ने मेट्रो कॉर्पोरेशन के अधिकारियों को मार्च 2024 तक पैसेंजर के लिए मेट्रो का संचालन शुरू कर देने के निर्देश दिए हैं।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
17	People Samachar	Bhopal	03.10.2023	02	मेट्रो ट्रेन का फाइनल ट्रायल रन आज, सीएम दिखाएंगे हरी झंडी	Positive

मेट्रो ट्रेन का फाइनल ट्रायल रन आज, सीएम दिखाएंगे हरी झंडी

भोपाल। राजधानी में सुभाष नगर से एम्स तक चलने वाली मेट्रो ट्रेन का मंगलवार को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की मौजूदगी में फाइनल ट्रायल रन होगा। अधिकारियों ने बताया कि सीएम सुबह 11:00 बजे फाइनल ट्रायल रन के लिए सुभाष नगर डिपो से मेट्रो को हरी झंडी दिखाएंगे। इससे पहले वह कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। यहां से वह मेट्रो में सवार होकर रानी कमलापति स्टेशन तक जाएंगे और वहां मीडिया से रूबरू होंगे। मेट्रो की टेक्निकल टीम और अधिकारियों के साथ सीएम भी सुभाष नगर से रानी कमलापति स्टेशन तक सफर करेंगे।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
18	Freepress	Bhopal	03.10.2023	02	Bhopal Metro: Wait over; citys smoothest transport trial today	Positive

BHOPAL CITY
INDORE / BHOPAL | TUESDAY | OCTOBER 3, 2023 www.freepressjournal.in

Bhopal Metro: Wait over; city's smoothest transport trial today

With CM on board, train to cover 5 km distance from Subash Nagar depot and Rani Kamlapati Rly stn

OUR STAFF REPORTER
city.bhopal@fpj.co.in

The residents of the state capital will finally see the trial run of the Bhopal Metro on Tuesday. Chief Minister Shivraj Singh Chouhan will flag off the Metro for the trial run from Subhash Nagar depot here at 11 am on Tuesday. The Chief Minister will board the train during the 5 km trail run that will take place between Subash Nagar depot and Rani Kamlapati Railway station.

The officers of Madhya Pradesh Metro Train Corporation Limited have made all the necessary preparations for the Metro train trial run. The Metro Stations have been decorated with flowers.

The three coaches of Bhopal Metro train arrived here last month and thereafter they were assembled. Following this the safety trial run of the metro was conducted between Subash Nagar depot and Rani Kamlapati Railway station.

The Metro train will derive the electricity supply from the third rail line. The project cost of Bhopal Metro is around Rs 6,941 crores. In the first phase of the project, work is being done on the metro path of around 30.95 km. Metro train will have two lines, the first Orange Line and second Blue Line. The Orange Line will be between AIIMS and Karond Square. The Blue Line will be between Bhadbhada Square to Ratnagiri Square.

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
19	Times of india	Bhopal	03.10.2023	02	Bhopal Metro gears up for trial run today	Positive

THE TIMES OF INDIA, BHOPAL
TUESDAY, OCTOBER 3, 2023
Pg-1&3

BHOPAL METRO ALL SET FOR TRIAL RUN

A Moeed Faruqui

The trial run of the Bhopal metro's priority corridor is all set to take place on Tuesday. CM Shivraj Singh Chouhan will take a ride on the metro, starting from its depot and ending at the Rani Kamlapati station. During the trial run, which will begin at 11 am, the metro will cover a distance of 4 km at a safety-run pace of about 20 kmph | P 3

Bhopal Metro gears up for trial run today

CM To Take A Ride On Metro

Jamal.Ayub@timesgroup.com

Bhopal: The trial run of the Bhopal metro's priority corridor is all set to take place on Tuesday. Chief minister Shivraj Singh Chouhan will take a ride on the metro, starting from its depot and ending at the Ranikamlapati station, as per Madhya Pradesh Metro Rail Corporation Limited (MPMRCL).

During the trial run, the metro will cover a distance of 4 kilometers at a safety-run pace of about 20 kilometers per hour. The event is set to begin at 11 am on Tuesday, marking significant milestone for the Bhopal metro rail project as passenger rides are expected to begin around six months after the trial run.

The current development plan for the Bhopal metro includes two lines: one running from Karond via the Subhash Nagar depot to AIIMS Bhopal, and the other connecting Bhadbhada to Ratnagiri intersection.

The Subhash Nagar and RKMP metro stations have been decorated in preparation for the event. The Bhopal metro, consisting of three coaches, will pass through Kendriya Vidyalaya and MP Nagar. The road between MP Nagar and the Subhash Nagar depot underwent repairs late on Monday, as much of the road under the elevated corridor had deteriorated since the metro development began.

Last week, a trial run of the Indore Metro was conducted. Chief Minister had indicated plans for expanding the metro to cover adjoining cities. During the unveiling of a metro coach in Bhopal in August, Chouhan suggested that the Bhopal metro's reach would be extended to Sehore and Mandideep while the Indore metro would be connected to Ujjain.

The rationale behind expanding the metro to neighboring towns, once approved, would contribute to the development of the city corridor and enhance the viability of metro projects.

A STEP CLOSER TO MODERN TRANSIT

- Union government approved the Bhopal Metro Rail Project & Indore Metro Rail Project **on October 1, 2018**
- Bhopal Metro comprises two corridors with a total length of **27.87 kilometers,** one from Karond Circle to AIIMS (**14.99 km**) & the other from Bhadbhada Square to Ratnagiri Tiraha (**12.88 km**)

MP Metro News
04 oct ,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
20	Times of India	Bhopal	04.10.2023	02	Metro 4kim run Smooth, Set For June 24 Rollout	Neutral

TIMES CITY Pg-02
THE TIMES OF INDIA, BHOPAL | WEDNESDAY, OCTOBER 4, 2023

Metro 4Km Run Smooth, Set For June '24 Rollout

Shivraj Flags Off Trial Run, Says Will Boost Urban Development & Growth

Pics: A Moeed Faruqui

Jamal.Ayub@timesgroup.com

Bhopal: Madhya Pradesh chief minister Shivraj Singh Chouhan flagged off the trial run of Bhopal metro here on Tuesday. Before undertaking a 4-km ride on the metro, Chouhan termed the accomplishment would further enhance 'urban development and growth'.

According to estimates, Madhya Pradesh state capital, became the 22nd city in the country to conduct a trial run on a metro train. Once the trial run is completed and safety parameters are validated the 4-km priority stretch of the Bhopal metro project will be opened for the public from June 2024, as per Madhya Pradesh metro rail corporation limited (MPMRCL) projections.

Speaking on the occasion chief minister Chouhan said passengers can expect a safe, comfortable, smooth, online ticketing, pollution free and cheap journey on Bhopal and Indore metro. The Indore metro trial run was undertaken last week.

The two metro projects are being projected as major accomplishments of the state government, ahead of upcoming state elections. The local BJP MLAs and those whose names were cleared in the BJP's list from Bhopal's seven assembly constituencies shared the stage with Chouhan.

We have done all this in a short time and before the stipulated deadline, it is the result of the hard work and efforts of the metro team members, engineers and workers in adverse circumstances, he added.

CM Chouhan takes a ride on the Bhopal metro on Tuesday

Chouhan said passengers can expect a safe, comfortable, smooth, online ticketing, pollution free and cheap journey on Bhopal and Indore metro. The Indore metro trial run was undertaken last week

About 4-km kilometer long metro section from priority corridor from Subhash Nagar depot to Rani Kamlapati station has five stations. Infrastructure work of which was completed despite natural constraints, the chief minister added.

Metro staff are committed to the project and looking at the pace of the project, we are confident that passenger operations on the priority corridor will be started in the coming year, said a MPMRCL press release.

MP urban development principal secretary Neeraj Mandloi presented a replica of the metro train to Chouhan as a souvenir.

MP medical education minister Vishwas Sarang and Bhopal mayor Malti Rai among others were present on the occasion. While inaugurating the priority corridor, the chief minister recalled that when he first came to Bhopal, tongas were the primary mode of local transport in Bhopal. After that auto-rickshaws, taxis, city buses, minibuses and BRTS followed with time. Now people of the state capital will now travel in swanky metro trains, Chouhan said.

The sanctioned cost for the construction of the Bhopal Metro Rail project in 2018 is Rs 6,941 crore. The 30.95 km track the Orange Line will connect AIIMS Bhopal to Karond is 16.77 km long, the track on which the trial run took place. Another Blue Line section is about a 15 km route from Bhadbhada Square to Ratnagiri.

> Indore needs a metro rail connection more than Bhopal. The city has a robust infrastructure to sustain and metro would leverage into existing business prospects
> — Dr Jitendra Sharma

> Metro rail is an exciting prospect. The wait for it has been very long. Hopefully the metro will connect to various parts of the city soon
> — Abdurrahman | College student

> Hopefully before getting into college, full-fledged metro operation would commence. It would be economical and safe, feel modern too
> — Pihu | College student

> Metro will add to the city's GDP and overall profile. It has to be viable and sustaining. The experiences of the BRT corridor should not be missed out when developing the metro
> — Dinesh Kumar Gupta | Businessman

> A range of possibilities are possible once we have a functional metro rail network. We can curb down vehicular traffic and be more environmentally friendly as a city
> — Tashid Khan | College student

> Metro should cut down the number of vehicular trips. A proper metro with optimized sectoral connection will be a boon for business and development
> — Santosh Meena | Advocate

MPMRCL focuses on basic infra development for Metro

Jamal.Ayub
@timesgroup.com

Bhopal: Indore and Bhopal metro were among the first approved metro projects after the Union government announced its new metro policy in 2017 that was aimed at boosting earnings and incentivising metro rail ridership.

The challenge for Madhya Pradesh metro rail corporation limited (MPMRCL), however, will be to meet the policy mandate. It will include adoption of innovative financing through Transit Oriented Development (TOD), Value Capture Finance (VCF), commercial/property development, advertisements, leasing of space among others. TOD has been limited to increase in FAR, going by new draft master plan of the city.

Some within MPMRCL, are for keeping it simple to begin with. Off the records, these experts want the basic infrastructure to be up and running first, then cater to adding to the glitz of metro stations and its likes. Recent proposals of Bhopal and Indore metro have focused on type of tiles in toilets and floors. "Adding expensive elements to existing infrastructure can be undertaken later too," said a consultant seeking anonymity.

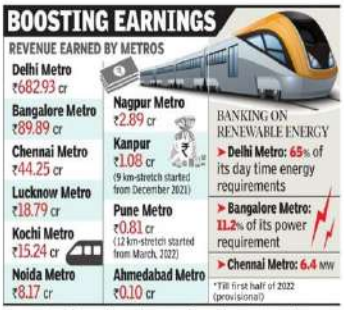

To incentivise metro rail ridership, the government policy focuses on inclusion of provision of feeder systems, last mile connectivity through pedestrian pathways and non-motorized transport (NMT) infrastructure among others in metro rail proposals. Lessons from Haryana metro are most recent that have been missed. MP Nagar section of metro rail was added with another flyover for motorized vehicles, after elevated corridor for metro was sanctioned. "Gurgaon did the same. People prefer to use their private vehicles over metro rail. Getting ridership for metro is vital for sustainability of the project," said another urban consultant.

Chouhan hopes to connect Vidisha with Bhopal Metro

Times News Network

A Moeed Faruqui

WINDOW OF OPPORTUNITY

Bhopal: If needed, Bhopal metro will be connected to Vidisha too, said MP CM Shivraj Singh Chouhan, during the trial run of Bhopal metro here on Tuesday.

A connection to Vidisha, is about 67 km. In the last two months, Chouhan has mentioned connecting Bhopal metro to Sehore and Mandideep, about 59 km and 30 km from metro depot in Bhopal. Last week, during the Indore metro rail trial run, Chouhan expressed Indore metro to connect till Ujjain, which is 55 km away.

These announcements are not mere political announcements ahead of state assembly elections. A pragmatic rethink into metro development for two million plus cities like Indore and Bhopal, which realistically do not have the ridership for sustainable metro operations.

Metro rail in these two cities will incur a cost of over Rs 14,000 crore with a sanctioned combined length of 59.42 km. MP Metro Rail Corporation Limited (MPMRCL) 50:50 joint venture between the Union and the state government.

Earlier in 2019, the incumbent Congress government floated a similar idea of extending metro rail to cover adjoining townships.

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
21	Freepress	Bhopal	04.10.2023	03	Metro to go driverless after teo years of operation	Neutral

Metro to go driverless after two years of operation

RAJAN RAIKWAR
City.bhopal@fpj.co.in

After Indore, the Metro train trial run has been successful in Bhopal and in all likelihood by mid 2024, the residents of the might be able to enjoy the metro ride in the two cities. Interestingly a very few are aware that Metro trains have been designed to run on driverless mode.

In the initial phase, which will be up to two years, metro trains will be run by drivers so that passengers are able to develop confidence and faith in train operations and thereafter it will be operated driverless.

The entire metro project has been designed on the latest technology of Grade of Automation (GoA) 4 which makes trains capable of operating automatically including door closing, obstacle detection and handling emergency situations.

The Metro train operation comes in three grades including GoA-1, GoA-2, GoA 3 and GoA 4.

The entire metro project has been designed on the latest technology of Grade of Automation (GoA) 4 which makes trains capable of operating automatically including door closing, obstacle detection and handling emergency situations.

The Metro projects of Bhopal and Indore have been designed on GoA 4 technology. " Madhya Pradesh is most probably the first state across the country which has designed its metro project on latest GoA 4 technology. Normally Metro trains run on GoA 2 technology," said a senior officer of Madhya Pradesh Metro Rail Corporation Limited.

Delhi Metro is learnt to have been using GoA 4 operation on two lanes but for this, it has to upgrade to GoA -4 technology from the older version of GoA-2 technology. In this sense, Madhya Pradesh is probably the first state to come up with a Metro project designed fully on the basis of GoA-4 technology.

Bhopal-Indore Metro designed on GoA-4 technology

Director Systems of Madhya Pradesh Metro Rail Corporation Limited, Shobit Tandon told Free Press basically both the Metro projects (Bhopal-Indore) are designed on GoA-4 technology. This ensures the highest level of safety standards and energy conservation. "It will be after one and half years or two years of Metro train operation that we will gradually switch over to driverless operation in both the metro cities," he said.

After Madhya Pradesh, all other metro projects which are coming up or are in pipeline in other big cities of the country will be based on GoA-4 technology.

Whenever driverless operation of metro trains will be introduced in Bhopal and Indore, it would be a matter of great thrill to people.

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
22	Rajexpress	Bhopal	04.10.2023	03	मदीदीप, रायसेन,सीहोर, विदिशा तक होगा मेट्रो का विस्तार, तांगे वाला भोपाल अब मेट्री वाला हो गया	Positive

(आश्विन कृष्ण पक्ष षष्ठी 2080)
वर्ष - 19
अंक - 195
पृष्ठ - 14
मूल्य - ₹4.00

सच कहने का साहस और सलीका

राज एक्सप्रेस

भोपाल
बुधवार, 04 अक्टूबर 2023

■ भोपाल ■ इंदौर ■ जबलपुर ■ ग्वालियर ■ रतलाम ■ रीवा ■ सतना ■ छिंदवाड़ा ■ उज्जैन ■ सागर

ऐतिहासिक दिन : सुभाष नगर से रानी कमलापति स्टेशन के बीच ट्रायल रन को मुख्यमंत्री ने किया फ्लैग ऑफ

मंडीदीप, रायसेन, सीहोर, विदिशा तक होगा मेट्रो का विस्तार, तांगे वाला भोपाल अब मेट्रो वाला हो गया

ट्रायल रन में 15 मिनट में तय की 5 किमी की दूरी

भोपाल (आरएनएन)। राजधानी के लिए मंगलवार का दिन ऐतिहासिक रहा। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मेट्रो के ट्रायल रन को हरी झंडी दिखा कर शुभारंभ किया। फिर सुभाष नगर से रानी कमलापति स्टेशन तक करीब पांच किमी का सफर मेट्रो में बैठ कर किया। यह दूरी मेट्रो ने करीब 15 मिनट में तय की।

इसका अनुभव साझा करते हुए सीएम ने कहा, ऐसा लगा कि मेट्रो रूके ही नहीं, चलती रहे। कहा कि भोपाल अब विकास पथ पर तेज गति से दौड़ेगा। उन्होंने बताया कि भोपाल मेट्रो का विस्तार सीहोर, मंडीदीप के साथ रायसेन और विदिशा तक भी किया जाएगा। ट्रायल रन के शुभारंभ कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने बताया कि बचपन में जब भोपाल आते थे तो तांगे चलते थे। फिर भट सुअर और ऑटो चले। अब मेट्रो तक का सफर तय किया है। तांगे वाला भोपाल अब मेट्रो वाला भोपाल हो गया है। कार्यक्रम में मौजूद लोगों से कहा कि मेट्रो में सफर का आपका नंबर भी जल्द आएगा।

जनसभा में फिर भावुक हुए सीएम शिवराज

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान मंगलवार को अपने गृह जिले सीहोर में एक जन सभा के दौरान एक बार फिर भावुक हो गए। उन्होंने सभा में मौजूद लोगों से पहले तो पूछा कि उन्हें चुनाव लड़ना चाहिए या नहीं। इसके बाद फिर पूछा कि यदि उनको चुनाव लड़ना चाहिए तो क्या उन्हें यह चुनाव बुधनी से ही लड़ना चाहिए या नहीं? इस बीच बुधनी की सभा में मौजूद कार्यकर्ताओं ने मामा-मामा के नारे लगाकर कहा कि वे चुनाव लड़ें। इसके बाद सीएम शिवराज ने भी सभी लोगों को प्यारे भांजे बोलकर उनकी इस इच्छा को पूरा करने की बात कही। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री शिवराज ने तीन दिन पहले भी लाड़ली बहना के एक कार्यक्रम के दौरान भावुक होकर कहा था कि मेरे बाद मुझे बहुत याद करोगे, बताओ क्या ऐसा भैया मिलेगा।

बुधनी की जनता से सीएम शिवराज ने पूछा, यहां से चुनाव लड़ूं कि नहीं?

मेट्रो की बात करते थे तो लोग मजाक उड़ाते थे

सीएम ने कहा कि पहले जब मेट्रो की बात करते थे तो लोग मजाक उड़ाते थे। हमने इसे साकार कर दिखाया। पहले की सरकार ने अभिशप्त किया। जिस राज्य को सड़कों के गड्ढो के लिए जाना जाता था, वहां एक हफ्ते मे दो शहरो मे मेट्रो का ट्रायल रन हुआ है। उन्होंने मेट्रो के फायदे गिनाते हुए कहा कि यह सस्ती, सुंदर है। प्रदूषण कम होगा और समय की बचत भी होगी। मेट्रो असमानता की खाई को भी पाटेगी।

असंभव को संभव कर दिखाया, अफसरों को सराहा

मेट्रो मे सफर करने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि मप्र बदल रहा है। आज लंबी छलांग लगाई है। यह परिवहन के क्षेत्र मे क्रांति है। इसे हासिल करने के लिए आठ महीने युद्ध स्तर पर काम किया गया। असंभव को संभव कर दिखाया। इसके लिए उन्होंने नगरीय विकास प्रमुख सचिव नीरज मंडलोई, मप्र मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के एमडी मनीष सिंह की सराहना की। कार्यक्रम में चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग, विधायक रामेश्वर शर्मा, कृष्णा गौर, महापौर मालती राय, पूर्व महापौर आलोक शर्मा व अन्य मौजूद रहे।

कम समय में ऐसे किया ट्रायल रन का टारगेट हासिल

- गुजरात के वड़ोदरा स्थित सांवली प्लांट मे 13 मार्च को कोच निर्माण शुरू, महज छह महीने मे तीन डिब्बो की मेट्रो ट्रेन भोपाल पहुंच गई
- 18 सितंबर को डिपो मे ट्रेन की अनलोडिंग, 18-25 सितंबर ट्रेन परीक्षण, तीन अक्टूबर को सफल ट्रायल रन
- 23 जनवरी को स्टेशन रूम का काम शुरू किया गया, छह जून को एसएस, टीएसएस कक्ष उपकरण लगा दिए

134 दिन में किया गया काम पूरा

- सहायक सब स्टेशन का कार्य पिछले साल 25 जुलाई को शुरू किया गया, दस सितंबर को इसे खत्म कर दिया गया
- नौ किमी ट्रेक बिछाने का काम पांच महीने मे पूरा किया गया
- ट्रेक्शन थर्ड रेल और सात टर्नआउट्स का विद्युतीकरण महज 90 दिन में किया
- केवल दो महीने में पांच लिफ्ट और चार एस्केलेटर लगाए गए
- स्टेशन डेक के लिए पहला पिलर बनाने की शुरुआत 13 मार्च-22 को हुई, पांच सितंबर को ट्रेक के काम हो गए
- कास्टिंग यार्ड के लिए 15 दिसंबर, 2021 को काम शुरू, 15 जून-23 को खत्म

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
23	People samachar	Bhopal	04.10.2023	04	चल पड़ी मेट्रो	Positive

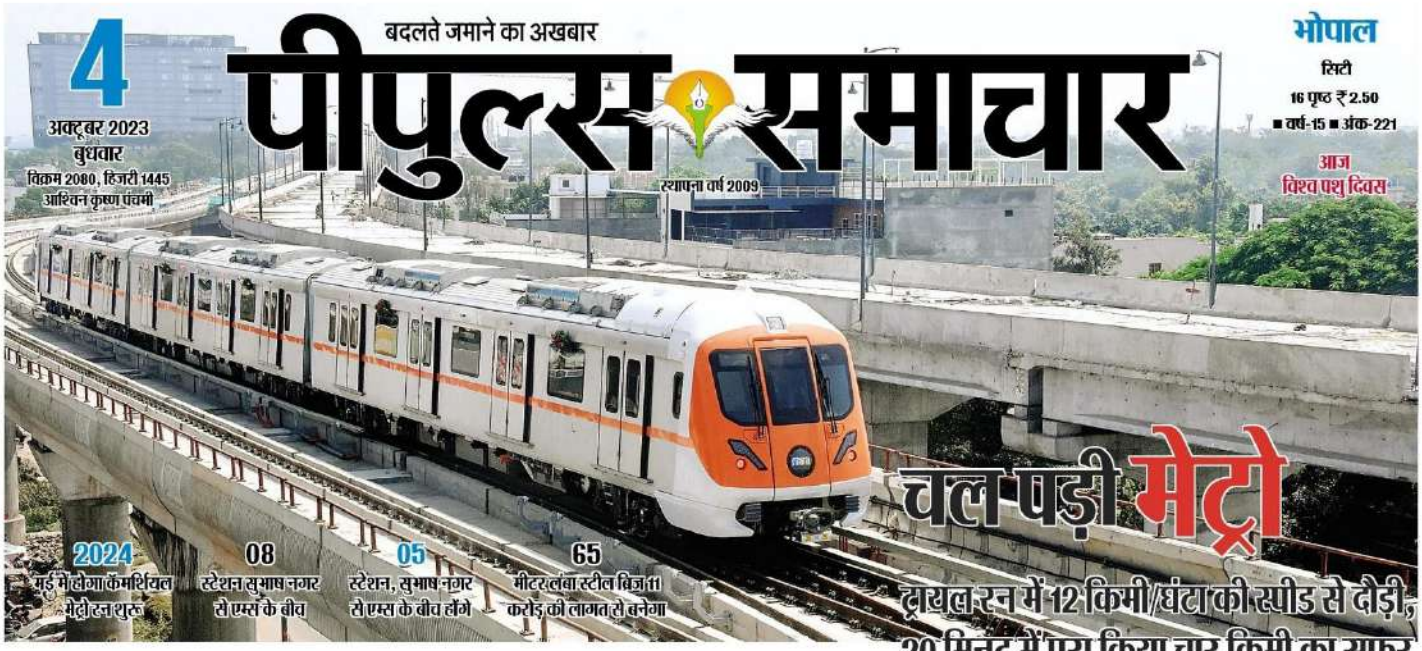

चल पड़ी मेट्रो

ट्रायल रन में 12 किमी/घंटा की स्पीड से दौड़ी, 20 मिनट में पूरा किया चार किमी का सफर

पीपुल्स संवाददाता • भोपाल
मो.नं. 9300697983

भोपाल मेट्रो का बहुप्रतिक्षित फाइनल ट्रायल रन मंगलवार को हो गया। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मेट्रो को हरी झंडी दिखाकर सुभाष नगर से रानी कमलापति स्टेशन के लिए रवाना किया। ट्रायल रन में मेट्रो 10-15 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से दौड़ी। हालांकि, मेट्रो की अधिकतम गति 70 किमी प्रति घंटा होती है। मेट्रो ने 4 किमी का सफर 20 मिनट में पूरा किया। मेट्रो सुभाष नगर से 12:45 बजे चली और 4 किमी का सफर तय कर रानी कमलापति स्टेशन पर दोपहर 1:06 बजे पहुंची। आम लोगों के लिए यह मई-जून-2024 में शुरू होगी।

सुभाष नगर से रानी कमलापति स्टेशन तक ट्रायल रन

भोपाल। सुभाष नगर स्थित डिपो से मेट्रो को हरी झंडी दिखाते मुख्यमंत्री चौहान।

मंडीदीप, सीहोर, विदिशा तक ले जाएंगे: सीएम ने कहा कि मेट्रो अब यही नहीं रुकेगी। इसे हम मंडीदीप के साथ सीहोर और विदिशा तक ले जाएंगे। इस अवसर पर सीएम के साथ सफर में चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग, महापौर मालती राय एवं अन्य मौजूद रहे। देखें पेज-9

तांगे से मेट्रो तक का सफर: सीएम ने कहा कि मैं बचपन से भोपाल आता रहा हूं। पहले छोटा सा भोपाल था। तांगे वाला भोपाल था। तांगे से आगे बढ़े तो भट्ट सुअर आए। इसके बाद छोटे ऑटो आए। टैक्सियां चलीं। फिर स्मार्ट बस चलीं। हमने तांगे से मेट्रो तक का सफर तय किया है।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
24	Dainik Jagran	Bhopal	04.10.2023	03	सीएम ने फ्यूचर विजन को रखा सामने कहा- सीहोर, विदिशा तक दौड़ाएंगे मेट्रो	Positive

वर्ष 67 ▸▸ अंक 08 ▸▸ पृष्ठ 12+4= 16 भोपाल, बुधवार 04 अक्टूबर, 2023 ▸▸ आश्विन कृष्ण पक्ष 05, विक्रम संवत् 2080 ▸▸ महानगर ▸▸ मूल्य 5 रुपए

www.djmp.in/epaper

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

मेट्रो का हुआ ट्रायल रन

प्रदेश में हुई परिवहन क्रांति, एक माह में दो शहरों में मेट्रो चलाकर रचा कीर्तिमानः मुख्यमंत्री

■ फोटो: एचसी वर्मा

सीएम ने फ्यूचर विजन को रखा सामने कहा-सीहोर, विदिशा तक दौड़ाएंगे मेट्रो

शहर संवाददाता, भोपाल। आज हम मेट्रो का ट्रायल सुभाष नगर से रानी कमलापति स्टेशन के बीच कर रहे हैं, लेकिन भविष्य में विदिशा, सीहोर, मंडीदीप और रायसेन तक मेट्रो विस्तार किया जाएगा। इससे शहर में रोजगार के अवसर तो बढ़ेंगे। आसपास के जिले भी भोपाल से पूरी तरह से कनेक्ट हो जाएंगे। यह बात मंगलवार को सीएम शिवराज सिंह चौहान ने शहर की फ्यूचर ट्रांसपोर्ट कनेक्टिविटी की जानकारी देते हुए कहीं। सीएम ने मेट्रो के ट्रायल रन को हरी झंडी दिखाने के बाद सुभाष नगर से रानी कमलापति के बीच मेट्रो में सफर भी किया। सीएम ने कहा कि मेट्रो के संचालन से प्रदूषण में भी बड़े स्तर पर गिरावट आएगी। भोपाल को स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त राजधानी बनाने में हमने काम शुरू कर दिया है। बता दें कि मेट्रो टीम द्वारा तीन माह बाद जनवरी 2024 से सुभाष नगर से एम्स के बीच 7 किमी लंबे ट्रैक पर मेट्रो का परिचालन शुरू होने की बात कही जा रही है।

भोपाल मेट्रो का पहला रूट सुभाष नगर से एम्स तक कुल 16.77 किमी है। इसमें 6.22 किमी का काम प्रायोरिटी से 2018 में शुरू हुआ। अभी ट्रायल रन रानीकमलापति स्टेशन तक हुआ।

दूसरा रूट 14.18 किमी भदभदा से रत्नागिरी तक है। इसका काम शुरू नहीं हुआ।

6,941 करोड़ रुपए मेट्रो परियोजना की लागत

31 किमी की परियोजना का 2 रूट पर होगा संचालन

2024 तक परियोजना को पूरा करने का लक्ष्य

रिकॉर्ड समय में किए गए काम

■ लगभग 9.0 किलोमीटर के ट्रैक बिछाने का कार्य 5 माह में पूर्ण किया गया ■ 7 ब्लास्टलेस ट्रैक टर्नआउटस का निर्माण मात्र 40 दिनों में किया गया ■ 90 दिनों में पटरियों के साथ चलने वाली ट्रेक्शन थर्ड रेल तथा टर्नआउट्स का विद्युतीकरण ■ डिजाइन निर्धारण के पश्चात, केवल 5 महीनों में मेट्रो रेल कोच का निर्माण किया गया ■ मात्र 60 दिनों में 5 लिफ्ट और 4 एस्केलेटर लगाए गए।

मेट्रो के ट्रायल रन में सफर का आनंद लेते हुए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान। साथ में बैठे चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग एवं अन्य।

ऐसी होंगी सुविधाएं

- एक ट्रेन में एक बार में लगभग 900 यात्री आवागमन कर सकेंगे
- संचालन विश्व स्तर की उच्चतम सिग्नलिंग प्रणाली से होगा जो संरक्षा व समय की पाबंदी सुनिश्चित करेगा
- विश्व स्तरीय सिग्नलिंग प्रणाली के माध्यम से भविष्य में बिना ड्राइवर की ट्रेंस भी चलाने की योजना
- दो ट्रेंस के बीच का अंतराल 5 मिनट का होगा लेकिन इसे दो मिनट तक घटाया जा सकेगा
- थर्ड रेल प्रणाली से बिजली के तारों के जाल से शहर को मुक्ति
- सभी ट्रेंस में उर्जा बचाने के लिए रिजनरेटिव ब्रेकिंग सिस्टम का उपयोग, जिससे ब्रेकिंग के दौरान बिजली पैदा होगी
- सम्पूर्ण मेट्रो रेल के परिचालन के बाद भोपाल में तीन कोच वाली 27 ट्रेंस चलाई जाएंगी
- एक कोच 22 मीटर लंबा और 2.9 मीटर चौड़ा होगा और उसका वजन लगभग 42 टन होगा
- यात्रियों की सूचना के लिए सार्वजनिक संबोधन प्रणाली तथा दृश्यात्मक संकेत होंगे

तांगे वाले भोपाल की पहचान बनेगी मेट्रो

सीएम ने इस दौरान अपने पुराने दिनों को याद करते हुए कहा कि कभी शहर अपने तांगों के लिए पहचाना जाता था, लेकिन अब मेट्रो शुरू हो जाने से हमारा तांगे वाला भोपाल मेट्रो रेल वाला भोपाल हो गया है। हमने एक सप्ताह में प्रदेश के दो शहरों में मेट्रो का ट्रायल रन किया है। इन्दौर के बाद भोपाल में भी नई परिवहन क्रांति का सूत्रपात हो रहा है। जिस राज्य को सड़कों के गड्ढों के लिए जाना जाता था, उसके दो राज्यों में मेट्रो की सुविधा मिलेगी।

स्टेशन पर बुजुर्गों व बच्चों को सुविधा

■ लिफ्ट एवं एस्केलेटर के माध्यम से सीनियर सिटीजन और छोटे बच्चों भी बिना किसी परेशानी के ट्रेन तक पहुंच सकेंगे। ■ टिकट बुकिंग करने के लिए विशेष व्यवस्था होगी। बिना लाइन में लगे ऑनलाइन टिकट बुक किए जा सकेंगे। ■ तेज गति का परिवहन होने के कारण साइकिल, मोटर साइकिल और कार चालक इससे सफर कर सकेंगे। ■ एयर कंडिशन कोच में सफर आसान और सुविधाजनक होगा।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
25	Rajexpress	Bhopal	04.10.2023	02	जून-जुलाई में एम्स से सुभाष नगर के बिछ शुरू होगा पैसें	Positive

www.rajexpress.co
राज एक्सप्रेस
2
महानगर
सूर्यास्त (बुधवार): 06:05
सूर्योदय (गुरुवार): 06:13
तापमान अधिकतम 33.8° न्यूनतम 19.0°
भोपाल
बुधवार, 04 अक्टूबर 2023

जून-जुलाई में एम्स से सुभाष नगर के बीच शुरू होगा पैसेंजर रन, आम आदमी कर सकेगा सफर

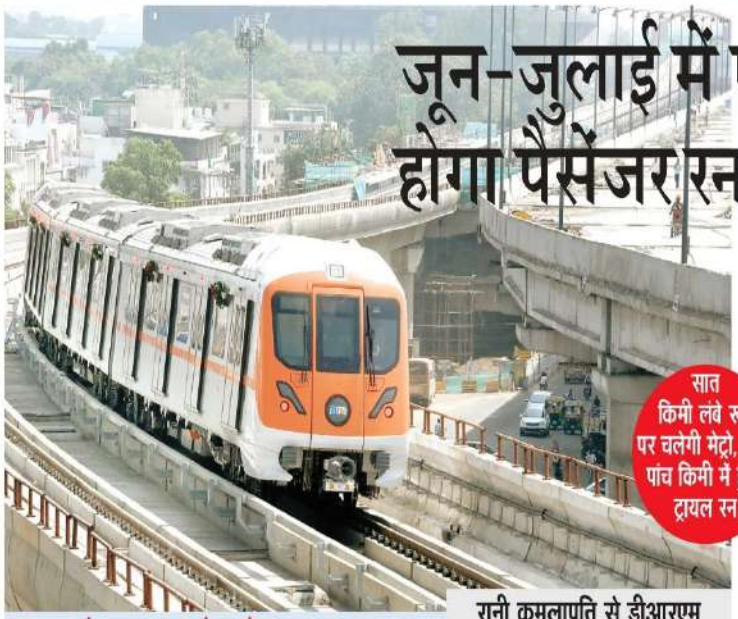

सात किमी लंबे रूट पर चलेगी मेट्रो, अभी पांच किमी में हुआ ट्रायल रन

भोपाल (आरएनएन)। राजधानी में सुभाष नगर से रानी कमलापति स्टेशन के बीच ट्रायल रन शुरू किया गया है। मेट्रो का यह सफर यहीं तक सीमित नहीं रहेगा। इसे एम्स तक बढ़ाया जाएगा। यानि अगले साल जून-जुलाई में सुभाष नगर से एम्स के बीच मेट्रो का पैसेंजर रन शुरू कर दिया जाएगा। सात किमी लंबे हिस्से में आम आदमी मेट्रो में सफर कर सकेगा। भोपाल में जब मेट्रो प्रोजेक्ट की शुरुआत की गई थी तो एम्स से सुभाष नगर तक एलिवेटेड रूट बनाने का जिम्मा दिलीप बिल्डकॉन को सौंपा गया था। इसका सिविल वर्क लगभग पूरा हो चुका है। इस बीच विधानसभा चुनाव के मद्देनजर मेट्रो का ट्रायल रन शुरू करने का फैसला लिया गया। मुख्यमंत्री ने इसके लिए सितंबर की डेडलाइन दे दी। इतने कम समय में एम्स से सुभाष नगर तक सात किमी लंबे रूट पर मेट्रो से जुड़े सभी कार्य करना संभव नहीं था। ऐसे में तय किया गया कि रानी कमलापति स्टेशन से सुभाष नगर के बीच करीब पांच किमी हिस्से में मेट्रो का ट्रायल रन किया जाएगा। यह टारगेट हासिल कर लिया गया।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को भोपाल मेट्रो रेल ट्रायल रन की सुभाष नगर डिपो पर पूजा अर्चना की। इसके बाद मेट्रो ट्रेन में जन-प्रतिनिधियों के साथ यात्रा की।

ट्रायल रन के साथ चलता रहेगा स्टेशन, रूट का काम

रानी कमलापति स्टेशन से सुभाष नगर रूट पर पांच मेट्रो स्टेशन हैं। इनमें से कुछ का थोड़ा काम बाकी है। ट्रायल रन का सिलसिला छह से सात महीने तक चलेगा। इस दौरान ही स्टेशनों का अधूरा कार्य पूरा किया जाएगा। साथ ही रानी कमलापति स्टेशन से एम्स तक मेट्रो ले जाने के लिए स्टेशन, ट्रैक, वार्जिंग सहित अन्य काम चलते रहेंगे। यह पूरे होने के बाद कमिश्नर मेट्रो रेल सेफ्टी इंतजामों को जांचने आएंगे। उनकी हरी झंडी मिलने के बाद एम्स से सुभाष नगर तक मेट्रो का पैसेंजर रन शुरू हो जाएगा।

रानी कमलापति से डीआरएम स्टेशन के बीच बनेगा स्ट्रील ब्रिज

रानी कमलापति स्टेशन से डीआरएम ऑफिस स्टेशन को जोड़ने के लिए स्ट्रील ब्रिज बनाया जाएगा। यह राजस्थान के अलवर में तैयार हो रहा है। इस ब्रिज की लागत करीब 11 करोड़ रुपए है और यह 65 मीटर लंबा होगा।

मेट्रो प्रोजेक्ट में यह खास

- भोपाल मेट्रो प्रोजेक्ट की कुल लंबाई 31 किमी, इसमें करोंद चौराहा से एम्स तक 16.77 किमी और रत्नागिरी तिराहे से भदभदा चौराहा तक 14.18 किमी के रूट शामिल।
- दो रूट पर मेट्रो दौड़ाने करने की लागत 6941 करोड़।
- भोपाल और इंदौर मेट्रो प्रोजेक्ट के लिए केंद्र और राज्य सरकार 20-20 फीसदी राशि मुहैया कराएगी। लोन से 50 प्रतिशत से अधिक की व्यवस्था की जाएगी।
- रोजाना सात लाख यात्री परिवहन क्षमता।
- गति 80 किमी प्रति घंटा।
- दो स्तरीय स्टेशन, कॉनकोर्स और प्लेटफॉर्म।
- भविष्य में हर दो मिनट के अंतराल में ट्रेन चलाने की क्षमता।
- यात्रियों और खास तौर से महिलाओं की सुरक्षा के लिए स्टेशन व ट्रेनों में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस आधारित सीसीटीवी।
- नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड पर ऑटोमैटिक टिकटिंग।
- विश स्तरीय स्टेशन, पर्याप्त वाहन पार्किंग क्षमता।
- बसों, फीडर ट्रांसपोर्ट से स्टेशन सीधे जुड़े रहेंगे, मकसद यह कि घर से स्टेशन और वहां से ऑफिस जाने के लिए निजी वाहन का उपयोग न हो।
- प्रत्येक कोच 22 मीटर लंबा व 2.9 मीटर चौड़ा।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
26	Dainik Jagran	Bhopal	04.10.2023	05	दिल्ली-एनसीआर की तर्ज पर भोपाल के आसपास के शहरों को जोड़ेगी मेट्रो	Positive

दैनिक जागरण
भोपाल, 04 अक्टूबर 2023

राजधानी जागरण 05

दिल्ली-एनसीआर की तर्ज पर भोपाल के आसपास के शहरों को जोड़ेगी मेट्रो

रायसेन, विदिशा, और सीहोर जाना हो जाएगा सुलभ अपडाउनर्स को मिलेगी राहत

शहर संवाददाता, भोपाल। दिल्ली एनसीआर की तर्ज पर भविष्य में भोपाल मेट्रो विदिशा, रायसेन, सीहोर और मंडीदीप तक चलेगी। दरअसल ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार को बढ़ाने और प्रदेश में शिक्षा के स्तर में सुधार करने में मेट्रो एक बड़ी भूमिका अदा करेगी। हालांकि इसके लिए कम से कम पांच साल का इंतजार करना होगा। दरअसल शहर में सीहोर विदिशा और रायसेन से 10 हजार से ज्यादा लोग अपडाउन करते हैं। वर्तमान में इन लोगों को रोजाना ट्रेन से अपडाउन करना पड़ता है, लेकिन यदि भविष्य में मेट्रो का संचालन शुरू हो जाता है, तो इन लोगों को घंटो स्टेशन पर बैठकर ट्रेन का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। साथ ही ट्रेन के छूट जाने की स्थिति में बस से सफर करने की परेशानी भी खत्म हो जाएगी।

इसके साथ ही रोजाना हायर एज्युकेशन के लिए अपडाउन करने वाले सैकड़ों स्टूडेंट आसानी से शहर में आवागमन कर सकेंगे। इससे विदिशा, सांची, दोवानगंज, सीहोर, फंदा, भैंसाखेड़ी, मंडीदीप और आसपास के ग्रामीण क्षेत्र के छात्र आसानी से शहर में आवागमन कर सकेंगे। विदिशा और सीहोर रोड पर वर्तमान में डेवलपमेंट बहुत धीमा है, लेकिन अगर इस रोड पर मेट्रो का संचालन शुरू हो जाता है, तो यहां इंफ्रास्ट्रक्चर को तेजी मिलेगी। भविष्य में यहां डेवलपर्स नए प्रोजेक्ट शुरू कर सकेंगे। इसके साथ ही रोजाना मंडीदीप जाने वाले सैकड़ों वर्कर्स आसानी से फैक्ट्री तक पहुंच सकेंगे। इससे फैक्ट्रियों में वर्कर्स की समस्या खत्म हो जाएगी। वर्कर्स मिलने से प्रोडक्शन भी तेज होगा।

दुल्हन की तरह सजी मेट्रो को सीएम ने सुभाष नगर में हरी झंडी दिखाई।

इंफ्रास्ट्रक्चर में आएगी तेजी

इन सभी शहरों तक मेट्रो का संचालन होने से विदिशा, सीहोर, रायसेन और मंडीदीप में भी बड़े डेवलपर इन्वेस्ट करेंगे। इससे इन शहरों में भी बड़ी कॉलोनियां डेवलप हो सकेंगी। शहरों के बीच कनेक्टिविटी सुलभ होने से लोग आराम से काम निपटा कर 45 से 50 मिनट में अपने घर तक पहुंच सकेंगे। उन्हें घंटो तक बस और ट्रेन में परेशान होने की जरूरत नहीं होगी।

मैं रोजाना भोपाल से विदिशा के बीच अपडाउन करता हूं। कई बार ऑफिस से निकलने में देर हो जाती है, तो एक बजे तक घर पहुंच पाता हूं। यदि भोपाल और विदिशा मेट्रो से जुड़ जाते हैं, तो मेरी तरह रोजाना भोपाल आने वाले लोगों को बहुत लाभ होगा।

- **अमरदीप सिंह**, एचआर मैनेजर, विदिशा

ट्रेन में सफर करते समय सबसे ज्यादा परेशानी जनरल कोच में सफर करने पर होती है। कई बार विदिशा तक खड़े होकर जाना पड़ता है। मेट्रो का संचालन शुरू होने से मुझे जॉब करने में आसानी होगी।

- **आदित्य वैष्णव**, ग्राफिक डिजाइनर, विदिशा

हफ्ते में दो बार भोपाल जाना पड़ता है। इस दौरान करीब सात सौ से एक हजार रुपए तक खर्च हो जाते हैं। यदि मेट्रो चलती है, तो भोपाल तक आसानी से पहुंचेंगे। मेरी तरह अन्य किसानों को भी इसका लाभ होगा।

- **हाकम सिंह पवार**, किसान, सीहोर

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
27	Navbharat	Bhopal	04.10.2023	08	भोपाल मेट्रो का सपना हुआ साकार	Positive

भोपाल | बुधवार | 4 अक्टूबर, 2023 | वर्ष 67 | अंक 248 | पृष्ठ 12 | मूल्य रु. 5.00

नव भारत

भोपाल मेट्रो का सपना हुआ साकार

बोले मुख्यमंत्री शिवराज- अब मेट्रो वाला मध्य प्रदेश, बदल रहा और आगे बढ रहा प्रदेश

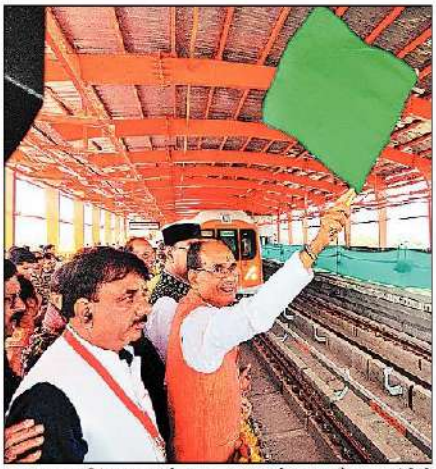

भोपाल, 3 अक्टूबर. भोपाल मेट्रो का मंगलवार को सफल ट्रायल रन हुआ है. एक संकल्प पूरा होते हुए देखकर मैं अत्यंत प्रसन्न हूं और सभी भोपालवासियों को कोटि-कोटि बधाई देता हूं. यह परिवहन के क्षेत्र में क्रांति है. यह बात मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मेट्रो के ट्रायल रन के अवसर पर कही.

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल मेट्रो रेल के ट्रायल रन का सुभाष नगर डिपो से हरी झण्डी दिखाकर कर शुभारंभ किया. मुख्यमंत्री चौहान ने मेट्रो रेल में सुभाष नगर स्टेशन से रानी कमलापति स्टेशन तक सफर कर जायजा लिया.

इस मौके पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि मेट्रो भोपाल में परिवहन की क्रांति लाएगी. उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ी तो इसे सीहौर और विदिशा तक लेकर जाएंगे. मई जून तक आम लोग मेट्रो की सवारी कर पाएंगे. यह बेहद सुखद अनुभूति है कि अब भोपाल का नाम मेट्रो सिटी में दर्ज हो गया. कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि गड्ढों वाला मध्य प्रदेश से मेट्रो वाला मध्य प्रदेश बना है. मुख्यमंत्री ने कहा कि भविष्य में मंडीदीप, सीहोर, विदिशा और रायसेन जैसे शहरों को भी मेट्रो से जोड़ने की योजना बनाएंगे. वहीं ग्वालियर, जबलपुर और उज्जैन के लोगों को भी मेट्रो की सौगात दी जाएगी. मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि 6940 करोड़ की लागत 30.95 किमी क्षेत्र में विश्व स्तरीय भोपाल मेट्रो की आरामदेह आवागमन की सुविधाओं से लोग गौरवान्वित महसूस करेंगे.

रिकार्ड समय में काम हुआ पूरा

नगरीय प्रशासन विभाग के प्रमुख सचिव नीरज मंडलोई और मेट्रो कॉरपोरेशन के एमडी मनीष सिंह के अथक प्रयास से मेट्रो रेल पटरियों के बिछाने का कार्य एवं ट्रेन के प्रथम परीक्षण के लिए आवश्यक आवश्यक सिस्टम संबंधी काम रिकॉर्ड समय में किये गए है. पांच किलोमीटर के दायरे में पांच स्टेशन का इंफ्रास्ट्रक्चर एक वर्ष आठ माह में पूरा किया गया. नौ किलोमीटर ट्रैक पांच माह में बिछ और सात ब्लास्टलेस ट्रैक टर्नआउट का निर्माण केवल 10 दिन में हुआ.

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
28	Navbharat	Bhopal	04.10.2023	02	मेट्रो को लेकर राजधानीवासियों में उत्साह	positive

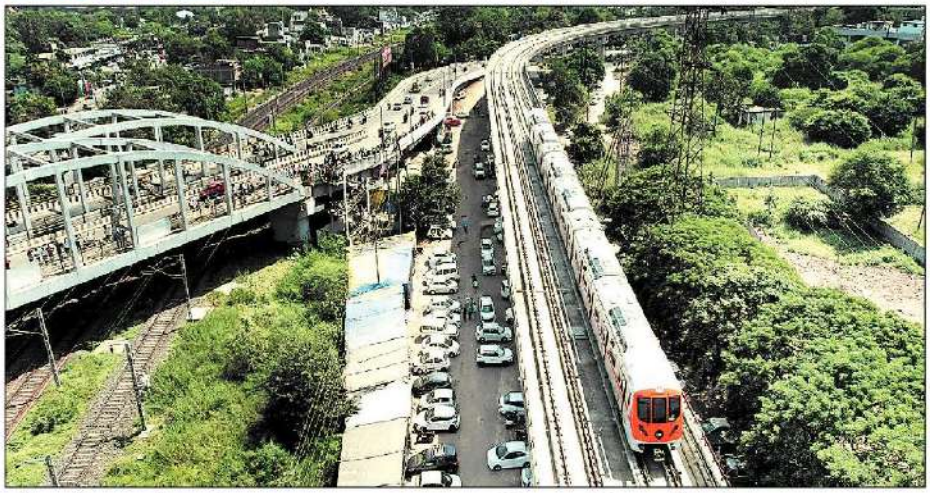

मेट्रो को लेकर राजधानीवासियों में उत्साह

मेट्रो रेल का ट्रायल रन सुभाष नगर से रानी कमलापति स्टेशन तक हुआ

उत्साहित लोग बोले, मामा ने कमाल कर दिया

सीएम ने भोपाल मेट्रो रेल के ट्रायल रन का किया शुभारंभ

भोपाल, 3 अक्टूबर. राजधानी में आज मेट्रो का किया गया. मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल मेट्रो रेल के ट्रायल रन का सुभाष नगर डिपो से हरी झण्डी दिखाकर कर शुभारंभ किया. मुख्यमंत्री चौहान ने मेट्रो रेल में सुभाष नगर स्टेशन से रानी कमलापति स्टेशन तक सफर कर जायजा लिया.

शुभारंभ से पहले मुख्यमंत्री चौहान ने कन्या-पूजन तथा पूजा अर्चना की.मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि भोपाल में मेट्रो आरंभ होने के साथ ही हमारा तांगे वाला भोपाल अब मेट्रो रेल वाला भोपाल हो गया है. वहीं मेट्रों का ट्रायल देखने के लिए सुभाष नगर से लेकर कमलापति स्टेशन तक सड़क में यातायात थम गया था.

लोग सड़क के किनारे अपना वाहन खड़ा कर मेट्रो को चलते हुए देखने लगे. कुछ उत्साही लोगों ने कहा कि मामा आपने तो कमाल ही कर दिया. सीएम चौहान ने इस अवसर पर संबोधित करते हुए कहा कि मेट्रो रेल भोपाल में परिवहन की नई क्रांति लाएगी, और विकास पथ पर भोपाल तीव्रगति से दौड़ेगा. भोपाल मेट्रो का विस्तार सीहोर, मण्डीदीप के साथ-साथ रायसेन और विदिशा तक भी किया जाएगा. इन्दौर के बाद आज भोपाल में नई परिवहन क्रांति का सूत्रपात हो रहा है.

जिस राज्य को सड़कों के गड्ढों के लिए जाना जाता था, वहां एक सप्ताह में दो-दो शहरों में मेट्रो का ट्रायल रन हुआ है. हमने कम समय और तय समय-सीमा से पहले यह सब कर दिखाया है, यह मेट्रो टीम के साथियों, इंजीनियर और वर्कर्स की मेहनत का परिणाम है.

सुभाष नगर से रानी कमलापति स्टेशन तक के पांच किलोमीटर लंबे मेट्रो के भाग में 5 स्टेशन हैं, जिनकी आधारभूत संरचनाओं का काम प्राकृतिक बाधाओं के बावजूद बहुत तेजी से पूरा किया गया. नौ किलोमीटर के ट्रेक बिछाने का कार्य पांच माह में पूर्ण किया गया. मात्र 90 दिन में पटरियों के साथ चलने वाली ट्रेक्शन थर्ड रेल तथा 7 टर्नआउट्स का विद्युतीकरण भी किया गया और केवल 60 दिनों में 5 लिफ्ट और 4 एस्केलेटर लगाए गए.

ये मैं हूँ, ये मेरा भोपाल है, और यह हमारी मेट्रो है

मुख्यमंत्री चौहान ने सुभाष नगर डिपो से रानी कमलापति स्टेशन मेट्रो रेल में बैठकर आए. जनप्रतिनिधि, युवा, अधिकारीगण साथ थे. मुख्यमंत्री चौहान ने मेट्रो रेल से आस-पास के क्षेत्र तथा जारी निर्माण प्रक्रिया का अवलोकन किया और सहयात्री युवाओं तथा जन-प्रतिनिधियों से संवाद भी किया. मेट्रो रेल के पहले ट्रायल रन में बैठे सभी व्यक्ति प्रसन्न और आल्हादित थे. मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि मेट्रो से भोपाल और अधिक सुंदर दिखाई दे रहा है. जन-प्रतिनिधियों ने मेट्रो रेल को भोपाल के लिए महत्वपूर्ण और उपयोगी सौगात बताया. मेट्रो रेल के पहले ट्रायल रन में सफर करने पर युवा जोश और उत्साह से भरे थे.

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
29	Navbharat	Bhopal	04.10.2023	10	कमलनाथ ने किया था मेट्रो का शिलान्यास	Neutral

कमलनाथ ने किया था मेट्रो का शिलान्यास

कांग्रेस सरकार में 100 करोड़ के टेंडर भी हो गए थे जारी

कांग्रेस का दावा- उद्घाटन भी करेंगे कमलनाथ

दिसंबर 2022 में होना था भोपाल मेट्रो का उद्घाटन

नवभारत न्यूज

भोपाल, 3 अक्टूबर. मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में भोपाल मेट्रो के ट्रायल रन का शुभारंभ किया. इसके बाद से कांग्रेस मुख्यमंत्री पर हमलावर हो गई है. कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुरेन्द्र राजपूत और प्रदेश मीडिया विभाग के अध्यक्ष केके उपाध्यक्ष अब्बास हफीज ने प्रेसवार्ता के माध्यम से कई बड़े दावे किए.

उन्होंने कहा कि तत्कालीन मुख्यमंत्री कमलनाथ ने सितंबर 2019 में ही भोपाल के लिए भोज मेट्रो और इंदौर के लिए इंदौर मेट्रो का तोहफा दिया था और दिसंबर 2022 में भोपाल में मेट्रो ट्रेन और अगस्त 2023 में इंदौर में मेट्रो ट्रेन चलनी थी वह समय पर क्यों नहीं चल सकी.राजपूत ने कहा कि शिवराज सिंह चौहान सरकार मध्य प्रदेश की जनता को बरगलाने और ठगने के अपने अभियान में निरंतर सक्रिय है. वह भोपाल में मेट्रो के एक बिना पहिए वाले डिब्बे का भी नुमाइश कर चुके हैं और उसके पहले उन्होंने इंदौर मेट्रो के ट्रायल रन का शुभारंभ किया. कमलनाथ द्वारा शुरू की गई परियोजनाओं को दो-दो साल तक लेट करने की जिम्मेदारी मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की नहीं है.

कांग्रेस नेताओं के प्रमुख दावे

यह कमलनाथ ही थे जिन्होंने केंद्र सरकार में मंत्री रहते हुए मध्य प्रदेश के लिए कई नेशनल हाईवे और सड़कों के लिए पैसे स्वीकृत किए. यह कमलनाथ ही थे जिन्होंने स्वर्गीय बाबूलाल गौर के मुख्यमंत्री कार्यकाल में भोपाल मेट्रो की डीपीआर बनाने के लिए धनराशि स्वीकृत की थी.

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
30	Navbharat	Bhopal	04.10.2023	10	भोपाल अब मेट्रो शहर, एक और संकल्प किया पूरा	Positive

भोपाल अब मेट्रो शहर, एक और संकल्प किया पूरा

भोपाल, 3 अक्टूबर. मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल भी मेट्रो शहर हो गया है. भोपाल मेट्रो का फाइनल ट्रायल रन भी पूरा हो गया. अगले वर्ष मई-जून से भोपाल शहरवासी मेट्रो में सफर करने लगेंगे. बीमारू राज्य से निकालकर देश के अग्रणी राज्यों में खड़ा करने वाली भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने आज अपना एक और संकल्प पूरा किया है. भाजपा सरकार मध्यप्रदेश को विकसित राज्य बनाने के साथ मेट्रो ट्रेन का संकल्प पूरा कर सुगम, सुरक्षित, सुलभ, सुविधापूर्ण सफर उपलब्ध कराने जा रही है. भोपाल मेट्रो ट्रेन मध्यप्रदेश के विकास को नई दिशा देगा. यह बात भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने सुभाष नगर में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा भोपाल मेट्रो ट्रेन को फाइनल ट्रायल रन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करने पर आभार जताते हुए कही.

6941 करोड़ की लागत वाली भोपाल मेट्रो

प्रदेश अध्यक्ष शर्मा ने कहा कि 6941 करोड़ की लागत वाली भोपाल मेट्रो ट्रेन का फाइनल ट्रायल रन पूरा हो गया है. भाजपा सरकार ने भोपाल और इंदौर में मेट्रो ट्रेन चलाने की घोषणा की थी. इंदौर के बाद अब भोपाल मेट्रो ट्रेन का फाइनल ट्रायल रन हो गया है. भाजपा सरकार ने अपना एक और संकल्प पूरा किया है. ट्रायल रन सुभाष नगर स्टेशन से रानी कमलापति स्टेशन तक लगभग 5 किलोमीटर का हुआ है.

MPMETRO
Rail Corporation Limited

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
31	Navduniya	Bhopal	04.10.2023	06	विकास की रफ्तार ने बदली पहचान, काभी तांगे वाला शहर अब मेट्रो सिटी	Positive

नवदुनिया
भोपाल, बुधवार, 04 अक्टूबर, 2023

भोपाल सिटी

www.naidunia.com

विकास की रफ्तार ने बदली पहचान, कभी तांगे वाला शहर अब मेट्रो सिटी

भोपाल (नवदुनिया प्रतिनिधि)। एक समय था जब भोपाल में तांगे दौड़ा करते थे, इसके बाद भट से लेकर मिनी बस और मिडी बस तक में लोगों ने सफर तय किया। अब यह शहर मेट्रो सिटी बन चुका है। भोपाल मेट्रो का ट्रायल रन मंगलवार को सफलतापूर्वक पूरा हो चुका है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जैसे ही सुभाष नगर स्टेशन से मेट्रो को हरी झंडी दिखाई, वहां मौजूद सैकड़ों शहरवासी ने तालियां बजाकर मेट्रो का स्वागत किया।

औपचारिक शुभारंभ के बाद मुख्यमंत्री चौहान इसी मेट्रो में बैठकर रानी कमलापति स्टेशन पहुंचे। मेट्रो जिस-जिस स्थान से गुजरी, नीचे सड़क से गुजर रहे लोग टकटकी लगाकर उसे देखते रहे। रानी कमलापति मेट्रो स्टेशन पर उतरने के बाद मुख्यमंत्री ने मीडिया से चर्चा में कहा कि वर्ष 2024 में मेट्रो का संचालन पूरी तरह से शुरू कर दिया जाएगा। बता दें कि पहले चरण में मेट्रो का संचालन ओरेंज कारिडोर में एम्स से करोंद तक किया जाना है, लेकिन इससे पहले एम्स से सुभाष नगर के बीच करीब सात किलोमीटर के प्रायोरिटी कारिडोर में इसका संचालन किया जाएगा।

सुभाष नगर डिपो से मंगलवार को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मेट्रो ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। • नवदुनिया

- मेट्रो का ट्रायल रन, मुख्यमंत्री ने की सवारी, जल्द शहरवासी भी बैठेंगे
- सुभाष नगर से कमलापति स्टेशन तक मुख्यमंत्री ने किया सफर

ट्रायल रन आरकेएमपी तक ही किया : पूर्व में ट्रायल रन भी एम्स तक किया जाना था, लेकिन रानी कमलापति स्टेशन के आगे निर्माण कार्य अधूरा होने से इसका ट्रायल रन आरकेएमपी तक ही किया गया। अब तीन माह तक प्रायोरिटी कारिडोर में मेट्रो को दौड़ाया जाएगा, इसके बाद जनवरी 2024 में मेट्रो रेल सुरक्षा आयुक्त इस मार्ग की संरक्षा को परखेंगे। उनके संतुष्ट होने के बाद प्रायोरिटी कारिडोर पर मेट्रो संचालन की अनुमति दी जाएगी। मेट्रो के अधिकारियों के अनुसार मई 2024 में मेट्रो प्रायोरिटी कारिडोर पर दौड़ सकती है। इसके बाद थोड़ा ही इंतजार बचा है।

90 दिन में बिछाई पांच किमी पटरी

राजधानी के सुभाष नगर से रानी कमलापति मेट्रो स्टेशन तक के पांच किलोमीटर लंबे मेट्रो के भाग में पांच स्टेशन हैं, जिनकी आधारभूत संरचनाओं का काम प्राकृतिक बाधाओं के बावजूद बहुत तेजी से पूरा किया गया। नौ किलोमीटर के ट्रैक बिछाने का कार्य पांच माह में पूर्ण किया गया। मात्र 90 दिन की समय सीमा में पटरियों के साथ चलने वाली ट्रेक्शन थर्ड रेल तथा सात टर्नआउट्स का विद्युतीकरण भी किया गया और केवल 60 दिनों में पांच लिफ्ट और चार एस्केलेटर लगाए गए हैं।

20 मिनट में तय किया पांच किमी का सफर तय

सुभाष नगर से आरकेएमपी तक मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग और महापौर मालती राय समेत अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी मेट्रो की यात्रा की। इस दौरान मेट्रो को 10 से 15 किमी की रफ्तार से दौड़ाया गया। ऐसे में पांच किमी का सफर तय करने में मेट्रो को 20 मिनट लगे। अब ट्रायल के दौरान मेट्रो की रफ्तार को बढ़ाया जाएगा।

भविष्य में मंडीदीप से लेकर सीहोर तक जाएगी मेट्रो

मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि भोपाल में मेट्रो आरंभ होने के बाद कभी तांगे वाला शहर रहा हमारा भोपाल अब मेट्रो शहर बन गया है। मेट्रो रेल भोपाल में परिवहन की नई क्रांति लाएगी और विकास पथ पर शहर तीव्रगति से दौड़ेगा। भविष्य में भोपाल मेट्रो का विस्तार सीहोर, मंडीदीप के साथ रायसेन और विदिशा तक भी किया जाएगा। इससे भोपाल के आसपास के लोगों को फायदा मिलेगा।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
32	Navduniya	Bhopal	04.10.2023	03	मेट्रो का उद्घाटन भी करें	Neutral

नवदुनिया
भोपाल, बुधवार, 04 अक्टूबर, 2023

मेट्रो का उद्घाटन भी करेंगे नाथ : कांग्रेस

भोपाल (राज्य ब्यूरो)। भोपाल और इंदौर में मेट्रो ट्रेन परियोजना का शिलान्यास तत्कालीन मुख्यमंत्री कमल नाथ ने किया था और वे ही उद्घाटन भी करेंगे। भाजपा सरकार ने परियोजना पूर्ण करने में विलंब किया और अब ट्रायल रन का शुभारंभ करके श्रेय लेने का प्रयास किया जा रहा है। यह आरोप कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत ने मंगलवार को भोपाल में लगाया। उन्होंने प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में आयोजित पत्रकारवार्ता में बताया कि तत्कालीन मुख्यमंत्री कमल नाथ ने सितंबर 2019 में भोपाल और इंदौर मेट्रो की सौगात दी थी।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
33	Haribhumi	Bhopal	04.10.2023	04	भोपाल मेट्रो 'आपका स्वागत है'	Positive

भोपाल, बुधवार 4 अक्टूबर 2023 haribhoomi.com

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

सीएम ने सुभाष नगर डिपो पर पूजा अर्चन कर मेट्रो में आरकेएमपी तक सवारी की

◆ मुख्यमंत्री शिवराज ने भोपाल मेट्रो ट्रेन के ट्रायल रन का हरी झंडी दिखाकर किया शुभारंभ, 20 मिनट 10 सेकंड में 4 किलोमीटर चली मेट्रो

भोपाल मेट्रो ट्रेन मंडीदीप व सीहोर के बाद विदिशा और रायसेन तक जाएगी

1. मुख्यमंत्री के हरी झंडी दिखाते ही आवाज आई भोपाल मेट्रो में आपका स्वागत है
2. सीएम ने कहा कि हमने कम समय और तय समय सीमा से पहले मेट्रो का ट्रायल रन किया
3. तांगे के सफर से मेट्रो रेल तक पहुंचा भोपाल
4. सुभाष नगर व रानी कमलापति को फूलमालाओं व ट्रेन को बुके से सजाया

सुभाष नगर मेट्रो स्टेशन से रानी कमलापति रेलवे स्टेशन तक सफर कर पहुंचे मुख्यमंत्री ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि भोपाल में परिवहन की नई क्रांति लाएगी मेट्रो ट्रेन

भोपाल मेट्रो में 'आपका स्वागत है'

सीएम ने कहा कि यह मेट्रो टीम के साथियों, इंजीनियरों और वर्कर्स की मेहनत का परिणाम, मेट्रो रेल के एमडी मनीष सिंह सहित पूरी टीम को बधाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भोपाल मेट्रो के पूरी तरह से फिट होने के बाद मंगलवार से उसका ट्रायल रन भी शुरू हो गया। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल मेट्रो ट्रेन के ट्रायल रन का सुभाष नगर स्टेशन पर हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। साथ ही सुभाष नगर से रानी कमलापति स्टेशन तक सफर के दौरान नजारा देखकर कहा कि मेट्रो से भोपाल और ज्यादा सुंदर दिखता है। इस दौरान उन्होंने कहा कि भोपाल मेट्रो का विस्तार सीहोर, मंडीदीप के ▶▶ शेष पेज 2 पर

मेट्रो से दिख रहा और सुंदर भोपाल

सुभाष नगर से रानी कमलापति स्टेशन तक मुख्यमंत्री ने मेट्रो में सफर किया। उनके साथ चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग, महापौर मालती राय, नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी सहित मेट्रो कंपनी के अधिकारी मौजूद थे। सफर के दौरान मुख्यमंत्री ने लोगों को मेट्रो से दिख रहे शिवाजी नगर, बोर्ड ऑफिस, एमपी नगर व हबीबगंज दिखाते हुए कहा कि ऊपर से यह स्थान कितने सुंदर दिख रहे हैं।

सुभाष नगर आरओबी पर लोगों ने बजाई तालियां

मेट्रो सफर के दौरान भोपाल मे मेट्रो में आपका स्वागत है, आने वाला अगला स्टेशन केंद्रीय विद्यालय है, केंद्रीय विद्यालय स्टेशन पर आपका स्वागत है। अगला स्टेशन एमपी नगर है, सुनकर सभी की नजर इधर उधर घूमने लगती थी। सुभाष नगर मेट्रो डिपो में चल रहे कार्यक्रम से पहले ही लोग सुभाष नगर आरओबी पर खड़े हो गए थे। मेट्रो ▶▶ शेष पेज 2 पर

MPMETRO
Rail Corporation Limited

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
34	Haribhumi	Bhopal	04.10.2023	01	भोपाल के पब्लिक ट्रांसपोर्ट में मेट्रो एक नई क्रांति	Positive

हरिभूमि
भोपाल भूमि फ्रंट पेज
भोपाल बुधवार 4 अक्टूबर 2023

मेट्रो के ट्रायल रन में मुख्यमंत्री शिवराज ने ट्रेन की खूबियों को समझा, मौजूद लोगों से कहा-अब शहर को दौड़ना है तेज गति से

हरिभूमि
पाठक पुरस्कार
योजना-2023
मास्टर कूपन
4 अक्टूबर 2023
कूपन नं.
5

पासपोर्ट अदालत आज 1800 मामलों की होगी सुनवाई

भोपाल। पासपोर्ट कार्यालय में बुधवार को पासपोर्ट अदालत का आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर भोपाल-इंदौर कार्यालय सहित करीब 18 पोस्ट ऑफिस में पेंडिंग करीब 1800 आवेदकों की सुनवाई की जाएगी। रीजनल पासपोर्ट अधिकारी शीतांशु चौरसिया ने बताया कि पासपोर्ट अदालत 4 से 19 अक्टूबर के बीच होगी। भोपाल और इंदौर के पासपोर्ट सेवा केंद्र में इसका आयोजन होगा। आवेदन करते समय आवेदक अपनी जानकारी जैसे जन्मदिन, स्थाई पता आदि भरने में सावधानी बरतें।

भोपाल के पब्लिक ट्रांसपोर्ट में मेट्रो एक नई क्रांति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मंगलवार का दिन भोपाल के सार्वजनिक परिवहन की दिशा में मील का पत्थर साबित हुआ। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सुभाष नगर मेट्रो स्टेशन पर भोपाल मेट्रो ट्रेन का ट्रायल रन शुरू करते हुए यह बात समारोह में मौजूद लोगों से कही। स्मार्ट सिटी पार्क में अगस्त माह में भोपाल में मेट्रो मॉडल कोच का उद्घाटन एवं अनावरण किया गया था। एक महीने बाद ही इसी कड़ी में भोपाल मेट्रो ट्रेन का ट्रायल रन किया गया।

मुख्यमंत्री ने मेट्रो सफर के दौरान वातानुकूलित मेट्रो कोच का अंदर से अवलोकन किया। मेट्रो विशेषताओं को जाना एवं प्रसन्नता जाहिर की। मुख्यमंत्री चौहान ने मेट्रो रेल से आसपास के क्षेत्र तथा जारी निर्माण प्रक्रिया का अवलोकन भी किया। रानी कमलापति स्टेशन पर मुख्यमंत्री ने कहा कि विपरीत परिस्थितियों में पूरी गुणवत्ता से प्रोजेक्ट को धरातल पर समय पर उतारा है।

मुख्यमंत्री चौहान ने मेट्रो से आसपास के क्षेत्र और जारी निर्माण प्रक्रिया का निरीक्षण किया

मेट्रो के निर्माण उनमें दी जाने वाली सुविधाओं और सुरक्षा के प्रावधानों पर केंद्रित लघु फिल्म दिखाई गई

मुख्यमंत्री चौहान को भेंट की मेट्रो की प्रतिकृति

कार्यक्रम में भोपाल मेट्रो के निर्माण, उनमें दी जाने वाली सुविधाओं और सुरक्षा के प्रावधानों पर केंद्रित लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। सुभाष नगर स्टेशन पर मेट्रो की यात्रा को दर्शाती प्रदर्शनी भी लगाई गई, जो आकर्षण का केंद्र रही। प्रमुख सचिव नीरज मंडलोई ने मुख्यमंत्री को मेट्रो ट्रेन की प्रतिकृति स्मृति चिन्ह के रूप में भेंट की।

तेजी से पूरा हुआ मेट्रो स्टेशन का काम

सुभाष नगर से रानी कमलापति स्टेशन तक के पांच किमी लंबे मेट्रो के भाग में 5 स्टेशन हैं। छी किमी के ट्रैक बिछाने का कार्य पांच माह में पूरा किया गया। 90 दिन में हर पटरी के साथ चलने वाली ट्रेक्शन थर्ड रेल तथा 7 टर्न आउट्स का विद्युतीकरण भी किया गया और केवल 60 दिनों में 5 लिफ्ट और 4 एस्केलेटर लगाए गए।

अगले वर्ष पब्लिक का सफर: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने कहा कि मेट्रो स्टाफ की परियोजना के प्रति प्रतिबद्धता है। प्रोजेक्ट की गति को देखकर और मुझे आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि प्रायोरिटी कॉरिडोर में आगामी वर्ष में पैसेंजर संचालन शुरू कर दिया जाएगा।

अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस है भोपाल मेट्रो के कोच

अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस मेट्रो कोच में स्मार्ट लाइटिंग, एयर कंडिशनर, स्मार्ट डिस्प्ले, एआई सीसीटीवी कैमरे आदि की सुविधा होगी। लगभग 6 हजार 941 करोड़ रुपए की भोपाल मेट्रो परियोजना की कुल लम्बाई 31 किमी होगी। करोंद चौराहे से एम्स तक 16.77 किमी, रत्नागिरि तिराहे से भदभदा चौराहे तक 14.18 किमी मेट्रो चलेगी।

पहले चरण में सुभाष नगर से एम्स तक 7 किमी का सफर

पहले चरण में सुभाष नगर से एम्स तक 7 किमी लम्बे रूट पर मेट्रो ट्रेन चलेगी। भोपाल मेट्रो का संचालन 2024 से शुरू हो जाएगा। मेट्रो रेल के स्टेशन भी विशेष होंगे। जहां पर लिफ्ट एवं एस्केलेटर, बुजुर्गों के लिए विशेष व्यवस्था और ऑनलाइन टिकटिंग की सुविधा होगी। मेट्रो रेल समाज में समानता का भी माध्यम बनेगी। साइकिल, दोपहिया और कार वाले सभी मेट्रो को सर्वोच्च प्राथमिकता देंगे।

ये मैं हूं, ये मेरा भोपाल है और यह हमारी मेट्रो

मुख्यमंत्री चौहान सुभाष नगर डिपो से रानी कमलापति स्टेशन मेट्रो में बैठकर आए। उनके साथ जनप्रतिनिधि, युवा, अधिकारी साथ थे। मुख्यमंत्री ने सहयात्री युवाओं तथा जनप्रतिनिधियों से संवाद किया। मेट्रो रेल के पहले ट्रायल रन में बैठे सभी व्यक्ति प्रसन्न और उत्साह से भरे थे। जनप्रतिनिधियों ने मेट्रो रेल को भोपाल के लिए महत्वपूर्ण और उपयोगी सौगात बताया। मेट्रो रेल के पहले ट्रायल रन में सफर करने पर युवा गर्व और प्रसन्नता से कह रहे थे कि ये मैं हूं, ये मेरा भोपाल है और यह हमारी मेट्रो है।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
35	Freepress	Bhopal	04.10.2023	03	BHOPAL METRO IS NOW A REALITY	Positive

VOL. 13 NO. 111 | BHOPAL | WEDNESDAY | OCTOBER 4, 2023 | PAGES 16 ₹3

FREE-PRESS

EDITIONS: INDORE, BHOPAL, UJJAIN, MUMBAI, PUNE

BHOPAL METRO IS NOW A REALITY

Exciting milestone: With CM onboard, train covers 5 km trial run

OUR STAFF REPORTER
city.bhopal@fpj.co.in

Chief Minister Shivraj Singh Chouhan flagged off the trial run of Bhopal Metro here on Tuesday at Subhash Nagar metro depot on Tuesday. The chief minister along with public representatives, senior officials, and distinguished citizens from the city enthusiastically boarded the Metro train, enjoying its inaugural 5-kilometer journey between Subhash Nagar depot and Rani Kamlapati Railway Station.

Chief Minister Chouhan emphasized Bhopal's transformation into a metro city, describing it as a significant milestone. Many people had doubts if the Metro project would get completed but impossible things have been made possible here in the State, said the Chief minister. He further said that if required, the metro train service will be extended up to Mandideep, Sehore, Vidisha and Raisen in future.

Madhya Pradesh CM Shivraj Singh Chouhan during the launch of Bhopal Metro's trial run in Bhopal

If required, Metro service will be extended up to Mandideep, Sehore, Vidisha and Raisen in future: Chouhan

" Bhopal is a beautiful city and it looks more beautiful from the Metro train," said the Chief Minister while speaking to the media upon reaching Rani Kamlapati Railway Station. Metro means "safe, comfortable, smooth, online ticketing, pollution free and cheap journey" as compared to other modes of transport, the chief minister said on the occasion.

Recalling the transformations the public transportation has undergone in the city, the Chief Minister said when he came to the city for further studies after Class 4, tongas were the only mode of local transport.

CONTD. ON P8

RESIDENTS WILL HAVE TO WAIT UNTIL MAY 2024

After the successful metro train trial run, the remaining work of the project will be on the priority list of the authorities. The work of metro stations coming up in areas like DRM Office station area, Alkapuri and AIIMS is incomplete.

It will not be before May 2024 that people of the state capital will be able to travel in the Metro train. Once all the Metro project works are completed, a safety team from Delhi will undertake the safety checks and only after getting clearance that metro operation will be allowed in the city.

CONTINUED FROM PAGE 1

Bhopal Metro is...

Later tempos, popularly known as "bhat suar", ruled the city roads, he said adding that now after autorickshaws, taxis, city buses, minibuses and BRTS, people of the state capital will now travel in swanky metro trains that will revolutionize the transportation mode.The sanctioned cost for the construction of the 31-km Bhopal Metro Rail project is Rs 6,000 crore. The three metro coaches were brought by road to Bhopal from Vadodara-based Alstom Company on September 17. The coaches were assembled and the safety trial run of the metro train was conducted successfully. -The sitting capacity of every Metro coach is 50 people and its standing capacity is 300 people. Metro coaches are equipped with modern facilities and are air conditioned coaches.

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
36	Times of india	Bhopal	04.10.2023	1&4	Should I contest the polls Shivraj asks in Sehore	Neutral

Should I contest the polls, Shivraj asks in Sehore

TIMES NEWS NETWORK

A Moeed Faruqui

CM Shivraj Singh Chouhan flags off metro trial run in Bhopal | P 2

Bhopal: Just two days after he told people in his Budhni constituency that they would "miss him", chief minister Shivraj Singh Chouhan again became emotional in his hometown Sehore on Tuesday, and asked locals if he should contest the election.

The CM was rounding off his speech during a visit to a Shiva temple when he asked the audience: "Main chunav ladoo ya nahin (Should I contest the election or not)?" The audience shouted, "Yes," and started chanting, "Mama, Mama" (maternal uncle, as he is popularly called).

On Sunday, the CM was addressing a rally of women tendu leaf pluckers in Ladkui village of Sehore district, when he said: "Aisa bhaiyya nahin milega. Jab mein chala jaunga, tab bahut yaad aaunga (You will not get a brother like me. When I go away, you will remember me a lot)."

▶Continued on P 4

Shivraj emotional pitch after BJP's second list

▶Continued from P1

I don't run a government, I run a family. I have changed the definition of politics," he said, asking the crowd: "You saw Congress rule for years. Did they ever think of the people?" After the second list came out with the names of seven MPs, including three Union ministers, Chouhan gave an emotional address at the last cabinet meeting, thanking his ministerial colleagues and bureaucrats for their hard work and for standing by him in his mission to transform Madhya Pradesh into one of the developed states of the country. Chouhan is making such statements at a time when the BJP central leadership seems to be propping up multiple leaders as potential CM faces. Seven MPs -- including Union ministers Narendra Singh Tomar, Faggan Singh Kulaste and Prahlad Patel -- and general secretary Kailash Vijayvargiya are in the fray in the assembly polls. Plus, there's Jyotiraditya Scindia, who may well be fielded, and is seen by a section of BJP as fit for the top post. Chouhan, who has been CM for over 16.5 years, is not new to political challenges. This time, the challenge is from within. TNN

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
37	Dainik Bhaskar	Bhopal	04.10.2023	01	सुबह भोपाल मेट्रो को विदिशा तक ले जाने की बात, रात को बुधनी में सीएम ने पुच-चुनाव लंडू या नहीं	Neutral

दैनिक भास्कर भोपाल 04-10-2023 Pg-01

चुनावी मेट्रो को हरी झंडी... लेकिन संचालन अगली सरकार में

6 महीने का इंतजार

- भोपाल मेट्रो के ट्रायल को सीएम शिवराज सिंह चौहान ने सुभाष नगर मेट्रो स्टेशन पर हरी झंडी दिखाई।
- उन्होंने मेट्रो में रानी कमलापति स्टेशन तक 5.5 किमी का सफर भी तय किया।
- लगभग 20.10 मिनट में सफर पूरा हुआ।
- सीएम ने कहा कि आम लोगों के लिए मेट्रो खुलने में अभी 6 महीने और लगेंगे। यानी सफर अगली सरकार में ही होगा।

सुबह भोपाल मेट्रो को विदिशा तक ले जाने की बात, रात को बुधनी में सीएम ने पूछा- चुनाव लड़ूं या नहीं

भोपाल | सीएम शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार सुबह भोपाल मेट्रो के विदिशा और रायसेन तक विस्तार की मंशा जताई। रात को सीएम अपने गृह क्षेत्र बुधनी के भैरूंदा ब्लॉक के सातदेव गांव पहुंचे। यहां लोगों से पूछा- *'मैं चुनाव लड़ूं या नहीं? वहां से लड़ूं या नहीं?'* सीएम के सवाल पूछते ही लोग मामा-मामा के नारे लगाने लगे। सीएम ने हाथ जोड़कर सभी का धन्यवाद किया। हालांकि, इस बयान ने राजनीतिक हलचल तेज कर दी है। *दो दिन पहले सीहोर में उन्होंने कहा था कि 'मैं चला जाऊंगा तो बहुत याद आऊंगा।'*

शिवराज ने आलोक शर्मा को तो बताया भावी विधायक, ध्रुव से बोले- संभालना है आपको

सीएम ने मंच पर मौजूद भोपाल उत्तर के भाजपा प्रत्याशी आलोक शर्मा को भावी विधायक के रूप में संबोधित किया। वहीं, भोपाल मध्य के प्रत्याशी ध्रुव नारायण सिंह से कहा - 'यह तो आप ही का क्षेत्र है, आपको संभालना है।'

अभी तो लंबा सफर है...

जरूरत पड़ी तो रायसेन, विदिशा तक ले जाएंगे भोपाल मेट्रो: सीएम

सीएम ने कहा कि भोपाल मेट्रो मंडीदीप और सीहोर तक जाएगी। जरूरत पड़ी तो इसे रायसेन और विदिशा तक ले जाएंगे। भोपाल से रायसेन करीब 47 किमी दूर है और डेढ़ घंटे में पहुंचा जा सकता है। भोपाल से विदिशा करीब 57 किमी दूर है और 1.50 घंटे में पहुंचा जा सकता है। इसके पहले सीएम ने कहा कि भोपाल ने तांगे से मेट्रो तक का सफर तय किया है। उन्होंने पहले चलने वाले टैंपो को भी आम भोपाली की भाषा में भट सुअर कहा।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
38	Patrika	Bhopal	04.10.2023	02	सीहोर-विदिशा तक भी छेलेगी मेट्रो	Positive

पत्रिका

माय सिटी

पत्रिका
भोपाल, बुधवार, 04 अक्टूबर 2023

फोटो: अजय शर्मा

मुख्यमंत्री ने भोपाल मेट्रो के ट्रायल रन को दिखाई हरी झंडी, इसमें सफर भी किया

भोपाल से मंडीदीप ही नहीं

सीहोर-विदिशा तक भी चलेगी मेट्रो

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने कहा है कि मेट्रो को भोपाल से आगे हम मंडीदीप, सीहोर और विदिशा तक चलाएंगे। इसके लिए प्लानिंग तैयार करवा रहे हैं। उन्होंने कहा, मैंने अपना बचपन भोपाल में गुजारा और इक्का तांगा से मेट्रो तक का सफर मुझे याद आ रहा है। मप्र अब गड्ढों वाला प्रदेश नहीं, मेट्रो वाला प्रदेश बन गया है। मुख्यमंत्री ने मंगलवार को सुभाष डिपो से मेट्रो के फायनल ट्रायल को हरी झंडी दिखाई। सीएम ने भोपाल के भाजपा विधायकों, घोषित प्रत्याशियों, महापौर समेत भाजपा के कुछ पदाधिकारियों के साथ सुभाष स्टेशन से रानी कमलापति स्टेशन तक मेट्रो में सफर किया। रानी कमलापति पर उन्होंने पत्रकारों को अपना अनुभव साझा करते हुए बताया, भोपाल मेट्रो में आज मैं बैठा हूं। भोपाल पहले से ही सुंदर है, मेट्रो से ये बहुत सुंदर नजर आ रहा है। अगले साल आप सब भी इसमें बैठ कर यात्रा करेंगे तो इसका अनुभव होगा।

इक्का तांगे से अब मेट्रो तक पहुंचे, आज मैं बैठा हूं, अगले साल आप भी यात्रा करेंगे

मुख्यमंत्री ने गाया... छुक-छुक रेलगाड़ी वाला गाना

मुख्यमंत्री ने यहां सुभाष डिपो में अपने संबोधन के दौरान छुक-छुक रेलगाड़ी वाला गाना गाकर मेट्रो शुरू होने पर अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने मेट्रो के लाभ बताते हुए कहा, मेट्रो यानि सुरक्षित सफर। ये सुगम और सुविधाजनक है। ऑनलाइन टिकट मिलने से लाइन का झंझट भी खत्म। ये सस्ती भी है, सुंदर भी है। प्रदूषण रहित होने के साथ तेज भी है। उन्होंने कहा, कार वाला और पैदल वाला..सबके लिए ये समान है। सभी इसमें सफर करेंगे।

मेट्रो के हर स्टेशन पर नहीं मिलेगी पार्किंग सुविधा, पब्लिक ट्रांसपोर्ट से ही पहुंचना होगा मेट्रो स्टेशन

6941.40 करोड़ रुपए में तैयार होगा

31 किमी का ट्रैक

अभी प्रायोरिटी कॉरीडोर के तहत एम्स से सुभाष ब्रिज तक 6.22 किमी का ट्रैक तैयार हुआ है। मेट्रो का बजट 6941.40 करोड़ रुपए है, जिसमें 31 किमी लंबाई की दो लाइनें तैयार होंगी। एम्स से करोंद और भदभदा से रत्नागिरी चौराहा तक मेट्रो का काम 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य तय किया है।

भोपाल मेट्रो ट्रेन ट्रायल रन के पहले हुई पूजा

दुल्हन की तरह सजा मेट्रो स्टेशन

14 किमी प्रतिघंटा की गति से हुआ ट्रायल

20 मिनट में पौने पांच किमी का सफर तय किया

मेट्रो एक नजर

80	किमी प्रतिघंटा अधिकतम गति
34	किमी प्रतिघंटा औसत गति
1435	एमएम स्टैंडर्ड गेज की पटरी
750	वोल्ट डीसी थर्ड रेल से इलेक्ट्रिसिटी आपूर्ति
6.22	किमी लाइन अंडर कंस्ट्रक्शन है
2.20	लाख यात्रियों का अनुमान 2027 तक
16	किमी लंबी लाइन है एम्स से करोंद चौराहा
14	किमी लंबी लाइन है भदभदा से रत्नागिरी चौराहा

भोपाल. मेट्रो ट्रेन ट्रायल के लिए सुभाष नगर और रानी कमलापति मेट्रो स्टेशनों को फूलों से दुल्हन की तरह सजाया गया था। यहां ट्रायल शुरू करने के पहले मुख्यमंत्री ने पूजा की। दोपहर 12.15 बजे मेट्रो सुभाष स्टेशन से रवाना हुई। दोपहर 12.35 बजे ये रानी कमलापति पहुंची। इसे करीब 20 मिनट का समय लगा। मेट्रो की अधिकतम गति 80 किमी प्रतिघंटा है, लेकिन सेफ्टी रन के चलते इसे सुरक्षा और सावधानी के साथ महज 14 किमी प्रतिघंटा की गति से चलाया गया। मेट्रो फायनल ट्रायल के बाद शुरुआती दो लाइनों के 30 स्टेशनों पर काम तेज हो जाएगा। इसे 2027 तक पूरा करना है।

मेट्रो स्टेशन पर पार्किंग को बढ़ावा नहीं

मेट्रो स्टेशन पर पार्किंग को बढ़ावा नहीं दिया जाएगा। लोगों को घर से ही पब्लिक ट्रांसपोर्ट से मेट्रो स्टेशन तक पहुंचने के लिए जागरूक किया जाएगा। मेट्रो लाइन के पहले और आखिरी स्टेशन पर जरूर पार्किंग दी जा सकती है। पब्लिक ट्रांसपोर्ट के एक्सपर्ट्स का कहना है कि यदि व्यक्ति घर से अपने वाहन से निकला तो फिर वह मेट्रो में सफर नहीं करेगा। हालांकि कमर्शियल रन के लिए अभी पूरा साल बाकी है और मेट्रो का किराया भी तय नहीं है। मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के अफसरों का कहना है कि अन्य मेट्रो से तुलना करने के बाद ही फेयर तय किया जाएगा।

सीधी बात — मनीष सिंह, एमडी, मेट्रो रेल कॉरपोरेशन

Q मेट्रो का ट्रायल रन सफल रहा..अब आगे क्या? कब तक आमजन यात्रा कर पाएंगे?

A ट्रायल रन के लिए बहुत तेजी से काम किया है। पांच माह में स्टेशन और ट्रैक का काम पूरा किया है। अब हमें गणेश मंदिर वाले आरओबी के तैयार होने का इंतजार है। एम्स से जब तक कनेक्टिविटी नहीं होगी, ट्रैफिक नहीं मिलेगा। जितनी जल्दी ये ब्रिज बनेगा, उतनी जल्दी हम कमर्शियल रन शुरू कर देंगे। हमारी जिस टीम ने पांच माह में रानी कमलापति से सुभाष तक स्टेशन तैयार किए, वह अब उतनी ही तेजी से एम्स तक भी काम पूरा करेगी।

Q अभी अल्स्ट्रॉम के ड्रायवर ने ट्रेन चलाई, आगे क्या व्यवस्था होगी?

A हमारी कंपनी से छह साल का अनुबंध है। ट्रेन संचालन का पूरा काम उसको ही करना है। ड्रायवर्स की ट्रेनिंग से लेकर उनकी उपलब्धता कंपनी का ही जिम्मा है।

Q मेट्रो के लिए अन्य स्टाफ का रिक्रूटमेंट किस तरह होगा?

A उसकी प्रक्रिया लगातार चल रही है। हमारी फिलहाल 800 से 1000 कर्मचारियों की आवश्यता है। अगले साल तक कमर्शियल रन होगा। स्टेशन मास्टर से लेकर सिग्नलिंग और अन्य स्टॉफ की नियुक्ति कर दी जाएगी।

MPMETRO

MPMETRO

METRO NEWS

24rd SEPTEMBER,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
39	राज एक्सप्रेस	भोपाल	05.10.2023	03	मेट्रो: रफ्तार धीरे-धीरे बढ़ा कर दो हजार किलोमीटर चलेगा ट्रायल रन	Neutral

www.rajexpress.co
राज एक्सप्रेस
3
महानगर
सूर्यास्त (गुरुवार): 06:04
सूर्योदय (शुक्रवार): 06:13
तापमान अधिकतम 34.3° न्यूनतम 19.0°
भोपाल
गुरुवार, 05 अक्टूबर 2023

मेट्रो : रफ्तार धीरे-धीरे बढ़ा कर दो हजार किलोमीटर चलेगा ट्रायल रन

अधिकतम रफ्तार 90 किमी प्रति घंटा

भोपाल ■ राज न्यूज नेटवर्क

राजधानी में ट्रायल रन के दौरान मेट्रो को कम से कम दो हजार किमी चला कर देखा जाएगा। सुभाष नगर से रानी कमलापति स्टेशन के बीच ट्रेन के साथ ही ट्रैक की टेस्टिंग की जाएगी। मेट्रो संचालन की न्यूनतम सीमा पूरी करने के बाद ही कमिश्नर मेट्रो रेल सेफ्टी को पैसेंजर रन के सर्टिफिकेट के लिए आवेदन किया जा सकेगा। मप्र मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन अधिकारियों ने बताया कि ट्रायल रन में न्यूनतम दो हजार किमी मेट्रो संचालन की शर्त है। यह रन पांच किमी दूरी में किया जाना है। इस दौरान मेट्रो की रफ्तार धीरे-धीरे बढ़ाई जाती है। भोपाल में शुरुआत 10-15 किमी प्रति घंटा की गति से की गई है। इसे बढ़ाकर अधिकतम सीमा 90 किमी प्रति घंटा ले जाया जाएगा। रूट में कर्व यानी मोड़ पर मेट्रो संतुलन की जांच की जाएगी। बताया जा रहा है खाली मेट्रो चला कर विभिन्न टेस्टिंग की जाती है। फिर ट्रेन को क्षमता मुताबिक भर कर भी परीक्षण किया जाता है।

नवंबर में दूसरी मेट्रो रेल आने की संभावना: गुजरात के वड़ोदरा स्थित सांवली प्लांट में मेट्रो के कोच का निर्माण किया जा रहा है। फ्रांस की अल्सटॉम इंडिया लिमिटेड को यह कार्य सौंपा गया है। भोपाल-इंदौर मेट्रो प्रोजेक्ट के लिए प्लांट में इस साल मार्च में काम शुरू किया गया था। राजधानी के लिए तीन कोच की मेट्रो 18 सितंबर को आ गई थी। अब मेट्रो ट्रेन की दूसरी खेप नवंबर तक भोपाल पहुंचने की संभावना है। भोपाल में ऐसी 27 ट्रेन आएंगी। सभी तीन कोच की होंगी।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
40	दैनिक जागरण	भोपाल	05.10.2023	07	ट्रैक पर बुधवार को भी चली मेट्रो नवंबर में 3 कोच और आएंगे	Neutral

ट्रैक पर बुधवार को भी चली मेट्रो नवंबर में 3 कोच और आएंगे

जागरण प्रतिनिधि, भोपाल। भोपाल में सुभाष नगर से रानी कमलपति मेट्रो स्टेशन के बीच बुधवार को भी ट्रैक पर मेट्रो चलाई गई। वहीं मेट्रो के अधिकारियों के अनुसार नवंबर में भोपाल में मेट्रो के 3 कोच और आएंगे। इन्हें भी बारी-बारी से चलाकर देखा जाएगा। रानी कमलापति के आगे मेट्रो का काफी काम बाकी है। रेलवे ट्रैक के ऊपर 65 मीटर लंबा स्टील का ब्रिज बनेगा। इसके अलावा तीन स्टेशन डीआरएम ऑफिस, अलकापुरी और एम्स के स्ट्रक्चर तैयार किए जाने हैं। मेट्रो कॉर्पोरेशन के अफसरों का कहना है कि एक स्टेशन को बनने में 4 से 5 महीने का समय लगता है। ऐसे में मार्च-अप्रैल से पहले स्टेशन पूरे कर दिए जाएंगे। प्रायोरिटी कॉरिडोर के 5 स्टेशन- सुभाष नगर, केंद्रीय स्कूल, डीबी मॉल, एमपी नगर और रानी कमलापति में से अभी सिर्फ सुभाष नगर स्टेशन का काम ही 95 प्रतिशत तक पूरा हुआ है। बाकी स्टेशनों पर फिनिशिंग के काम बचे हैं, इसलिए इन्हें सबसे पहले निपटाने की बात कही जा रही है।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
41	Freepress	Bhopal	05.10.2023	10	Next set of metro coaches may arrive after 2 months	Neutral

BHOPAL CITY
BHOPAL | THURSDAY | OCTOBER 5, 2023 www.freepressjournal.in

Next set of Metro coaches may arrive after 2 months

OUR STAFF REPORTER
city.bhopal@fpj.co.in

The next set of Metro train coaches is expected to arrive in Bhopal after one and half or two months. The remaining sets of the train will be brought in a phased manner.

Once completed, a total of 27 metro trains will be operated in the city.

So far, a successful trial run of the first Metro train was conducted on Tuesday.

The metro coaches are being manufactured at ALSTOM's Savli plant (Vadodra-Gujarat). The cost of one set of Metro coaches (comprising three modern coaches with engines) is around Rs 27 crore. This cost covers production, design, commissioning and maintenance etc.

"As the project progresses, more sets of trains will be brought in phased manner. By 2026, all 27 sets are expected to run in Bhopal," a senior officer associated with the project said.

Sources in the Madhya Pradesh Metro Rail Corporation Limited told Free Press that after the trial run of the first set of metro trains, more trials would be conducted to increase the speed of the train. During the first trial course, the speed was between 10 and 15 km per hour.

The train is designed to run at the speed of around 90 km per hour. By running the metro train often, its speeds will be taken near about 80 km per hour. Before going for commercial operation, it is mandatory to conduct regular testing.

Usually, it is only after six months of trial run that a Metro train is allowed to go for commercial operation. "It is necessary that the metro train should have completed at least 2,000 km run before going for commercial operation," an officer of Bhopal Metro Project said.

The commercial operation of the Metro is being anticipated in May and June.

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
42	पत्रिका	भोपाल	05.10.2023	03	फिटनेस साबित करने के लिए दो हजार किमी तक दौड़ेगी मेट्रो	Neutral

MY CITY
माय सिटी 03 पत्रिका
भोपाल, गुरुवार, 05 अक्टूबर 2023

आठ स्टेशनों का काम अभी पूरा नहीं, सुभाष नगर स्टेशन 95 फीसदी तैयार

फिटनेस साबित करने के लिए दो हजार किमी तक दौड़ेगी मेट्रो

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. ट्रैक और ट्रेन की फिटनेस जांचने के लिए मेट्रो ट्रेन को 2 हजार किलोमीटर तक दौड़ाया जाएगा। बुधवार को भी मेट्रो का ट्रायल जारी रहा। फिलहाल इसे सुभाष नगर से रानी कमलापति स्टेशन के बीच ही चलाया जा रहा हैं। सूत्रों की माने तो तीन नवंबर कों मेट्रो के तीन कोच और आएंगे। इसके बाद हर 20-25 दिन में कोच भोपाल पहुंचने लगेंगे। मेट्रो कॉर्पोरेशन के अफसरों की माने तो ट्रेन की फिटनेस जांचने के लिए कम से कम 2 हजार किलोमीटर चलाया जाता हैं। इधर, प्रायोरिटी कॉरिडोर के 5 स्टेशन यानी सुभाष नगर, केंद्रीय स्कूल, डीबी मॉल, एमपी नगर और रानी कमलापति में से सिर्फ सुभाष नगर स्टेशन का काम पूरी तरह से हो पाया हैं।

आठ स्टेशनों के काम को देखेगी टीम

जानकारी के अनुसार राजधानी में 8 स्टेशनों और डिपो में काम पूरा होने के बाद कमिश्नर मेट्रो रेल सेफ्टी (सीएमआरएस) की टीम भोपाल आएगी। यह टीम मेट्रो से जुड़े हर बिंदूओं को बारीकी से देखेगी। 3 अक्टूबर को ट्रेन का फाइनल ट्रायल रन हुआ था। सीएम शिवराज सिंह चौहान ने मेट्रो में सफर भी किया था। उन्होंने अगले साल मई-जून तक आम लोगों के लिए ट्रेन चलाने की बात कही हैं। ऐसे में बाकी बचे कामों को तय डेटलाइन में पूरा करने की मेट्रो कॉर्पोरेशन के अफसरों के लिए चुनौती हैं।

तय डेटलाइन में काम पूरा करना चुनौती

अभी बाकी है काम

रानी कमलापति के आगे मेट्रो का काम अभी बाकी है। ट्रैक के ऊपर 65 मीटर लंबा स्टील का ब्रिज बनेगा। डीआरएम ऑफिस, अलकापुरी और एम्स तक मेट्रो को दौड़ाने के लिए स्ट्रक्चर तैयार होना है। अफसरों का कहना है कि एक स्टेशन को बनने में 4 से 5 महीने का समय लगता है। मई-जून तक मेट्रो का कमर्शियल रन शुरू कर दिया जाए।

MPMETRO

METRO NEWS

06th OCTOBER,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
43	Times of India	Bhopal	06.10.2023	02	In Indore, widened roads below Metro corridor ease commute	Neutral

TIMES CITY Pg-02

THE TIMES OF INDIA, BHOPAL | FRIDAY, OCTOBER 6, 2023

In Indore, widened roads below Metro corridor ease commute

Sagar.Choukse@timesgroup.com

Indore: Commuters in Indore who had to navigate the roads beneath the under-construction elevated corridor for the Indore Metro rail, enjoy a much smoother ride than its counterparts in Bhopal. This is because the stretch, maintained by the MP Metro Rail Corporation Limited (MPMRCL), has been widened to enhance the commuting experience.

According to senior officials at MPMRCL, a 4-meter strip (approximately 14 feet) of land from the dividers was required to erect piers for the elevated viaduct, specifically from Gandhi Nagar to Ring Road via Bapat Square, Vijay Nagar Square, and Hotel Radisson Square. Following the completion of this work, the remaining space around the pillars was levelled and integrated into the road as an 'extension.'

However, this had an impact on the greenery along its route. This development included the removal of a green cover, which featured numerous trees on a 10-foot-wide divider from Bapat Square to Hotel Radisson Square.

While the project has impacted this greenery, it has simultaneously increased the width of the road. In comparison to the existing roads on either side of the elevated viaduct's piers, which had been damaged by rainfall, the newly levelled and constructed land beneath the track offers a better travel experience for commuters. "As per the norms and demands, we have made payment to Indore Municipal Corporation to transplant the trees, which had to be shifted from the dividers from Bapat Square to Hotel Radisson Square to pave way to erect piers" MPMRCL general manager Ajay Kumar said, adding that after erecting the piers, the agency roped in by them has levelled the remaining space and constructed cement concrete road there.

MPMRCL is overseeing the development of a 31.55 KM circular route for the Indore Metro Rail project.

A SMOOTH RIDE: Road below elevated corridor in Indore's Vijay Nagar

MPMETRO

MPMETRO

METRO NEWS

09th OCT,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
44	हरि भूमि	भोपाल	09.10.2023	3	स्टील ब्रिज बनने तक तैयार हो जाएंगे सुभाष नगर से एम्स तक मेट्रो के पूरे आठ स्टेशन	Neutral

हरिभूमि
भोपाल भूमि फ्रंट पेज
भोपाल, सोमवार 9 अक्टूबर 2023
3

रानी कमलपति स्टेशन में आने-जाने के लिए स्काई वॉक की भी सुविधा

डीआरएम ऑफिस, अलकापुरी व एम्स मेट्रो स्टेशन बनने लगे, जबकि सुभाष नगर, केंद्रीय विद्यालय, बोर्ड ऑफिस, एमपी नगर और रानी कमलापति स्टेशन पर इंटीरियर वर्क फिनिशिंग की ओर

स्टील ब्रिज बनने तक तैयार हो जाएंगे सुभाष नगर से एम्स तक मेट्रो के पूरे आठ स्टेशन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भोपाल मेट्रो रेल परियोजना के पहले चरण में सभी स्टेशन पर्यावरण को देखते हुए तैयार हो रहे हैं। प्रायॉरिटी कॉरिडोर में एम्स, अलकापुरी, डीआरएम ऑफिस, रानी कमलापति स्टेशन, एमपी नगर, बोर्ड ऑफिस, केन्द्रीय विद्यालय और सुभाष नगर में आठ स्टेशन बन रहे हैं, जिसमें से पांच बनकर तैयार हैं। इनका इंटीरियर वर्क अंतिम चरण में है। यह स्टेशन ग्रीन मेट्रो प्रणाली या इको फ्रेंडली आधारित स्टेशन हैं। हबीबगंज रेलवे क्रासिंग पर स्टील ब्रिज बनाया जा रहा है। इसके पिलर बनकर तैयार हो गए हैं। यह ब्रिज अलवर राजस्थान से बनकर आ रहा है। इस ब्रिज के तैयार होने से पहले सुभाष नगर से एम्स तक सभी मेट्रो स्टेशन बनकर तैयार हो जाएंगे।

ग्रीन मेट्रो प्रणाली व ईको फ्रेंडली आधारित होंगे सभी मेट्रो स्टेशन

दो हजार किमी ट्रायल रन के बाद मिलेगा सेफ्टी सर्टिफिकेट

सेफ्टी जोन के लिए सुभाष नगर स्टेशन से रानी कमलापति मेट्रो स्टेशन तक तीन अक्टूबर से लगातार ट्रॉयल रन चल रहा है। दो हजार किलोमीटर ट्रायल रन करने के बाद सेफ्टी सर्टिफिकेट मिलेगा। सुभाष नगर से रानी कमलापति स्टेशन तक सभी पांच स्टेशन बनकर पूरे तैयार हो जाएंगे, तब तक यह दो हजार किलोमीटर का ट्रायल रन पूरा हो जाएगा।

पानी बचाने नलों में लगाए जा रहे सेंसर

मेट्रो रेल के स्टेशनों में बनाये जाने वाले वाश रूम में पानी बर्बाद ना होने के लिए नलों में सेंसर लगाए जा रहे हैं। यह स्वचालित तंत्र के जरिए नल का पानी नियंत्रित होता। मेट्रो स्टेशनों में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट भी लगाया जाएगा। सीवेज के पानी को शोधित करके उसे दोबारा प्रयोग किया जा सकेगा। इस पानी का उपयोग सफाई व पेड़ों की सिंचाई के लिए किया जाएगा। पानी की बचत पर निगरानी रखने के लिए वाटर मीटर लगाए जाएंगे।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
45	दैनिक भास्कर	भोपाल	09.10.2023	01	प्रभात चौराहे पर थ्री टियर ट्राफिक; नीचे दो सड़कों पर वाहन, ऊपर चलेगी मेट्रो	Neutral

दैनिक भास्कर भोपाल 09-10-2023 Pg-01

विकास की राह • बैरागढ़ डबल डेकर की तर्ज पर होगा निर्माण

प्रभात चौराहे पर थ्री टियर ट्रैफिक; नीचे दो सड़कों पर वाहन, ऊपर चलेगी मेट्रो

पुल बोगदा के आगे काली मंदिर से लाला लाजपत राय कॉलोनी तक बनेगा ब्रिज

इन्फ्रास्ट्रक्चर रिपोर्टर | भोपाल

बैरागढ़ में करीब 3 किमी का डबल डेकर ब्रिज बनने की तैयारियों के बीच अब प्रभात चौराहे पर भी ऐसा ही ब्रिज बनाए जाने की प्लानिंग को मंजूरी मिल गई है। इस ब्रिज को भी पीडब्ल्यूडी बनाएगा। उसने इसे थ्री टियर सिस्टम आधारित ब्रिज नाम दिया है। हालांकि, जानकारों का कहना है कि दोनों ही ब्रिज एक ही तकनीक के होंगे। यानी, ग्राउंड पर ट्रैफिक चलेगा। इसके ऊपर एक फ्लाईओवर होगा और इसी पर मेट्रो चलाई जाएगी। ये ब्रिज भी मेट्रो रेल कंपनी के को-ऑर्डिनेशन से बनेगा।

प्रभात चौराहे पर बनाए जाने वाले ब्रिज पर करीब 44.10 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। ये 650 मीटर लंबा और 19 मीटर चौड़ा होगा। ये फ्लाईओवर भोपाल-रायसेन रोड पर पुल बोगदा के बाद काली मंदिर से लाला लाजपत राय कॉलोनी तक होगा। थ्री टियर सिस्टम से बनाए जाने वाले इस फ्लाईओवर का निर्माण एक ही अलाइनमेंट में एलिवेटेड डिजाइन के जरिए होगा। चिकित्सा शिक्षा मंत्री ने रविवार को इस ब्रिज का भूमिपूजन करते हुए बताया कि पीडब्ल्यूडी ने इसके लिए टेंडर जारी कर दिया है। अगले 24 महीने में इसे पूरा करने की डेडलाइन है, लेकिन डेढ़ साल के भीतर इसे तैयार करने का टारगेट पीडब्ल्यूडी को दिया गया है।

44.10 करोड़ से बनेगा 650 मी. लंबा ब्रिज

तीन सड़कों की छह लाख आबादी को मिलेगी राहत

प्रभात चौराहा से भोपाल रेलवे स्टेशन के बीच बनी 80 फीट रोड, पुल बोगदा रोड और रायसेन रोड पर दिनभर बहुत ट्रैफिक रहता है। इस ब्रिज के बनने से इन तीनों ही सड़कों पर ट्रैफिक का दबाव कम होगा। तीनों सड़कों पर जाने वाले ट्रैफिक के लिए डबल डेकर ब्रिज पर दो अलग-अलग रास्ते होंगे।

लागत	लंबाई	चौड़ाई	अवधि
44.10 करोड़	650 मीटर	19 मीटर	24 महीने

ऐसे चलेगा ब्रिज का ट्रैफिक

1. सबसे नीचे सुभाष नगर फ्लाईओवर से स्टेशन की ओर जाने वाला ट्रैफिक गुजरेगा।
2. बीच में पुल बोगदा से रायसेन जाने वाला रास्ता होगा।
3. सबसे ऊपर मेट्रो ट्रेन की लाइन होगी। यह भदभदा से रत्नागिरि जाएगी।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
46	पत्रिका	भोपाल	10.10.2023	02	सुभाष डिपो या फिर बीयू के पास हो सकता है मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन का स्थाई पता	Neutral

पत्रिका

सुभाष डिपो या फिर बीयू के पास हो सकता है मेट्रो रेल कॉरपोरेशन का स्थाई पता

भोपाल. भोपाल मेट्रो रेल कॉरपोरेशन का नया व स्थाई पता सुभाष रेलवे डिपो के पास या फिर बीयू के पास हो सकता है। दोनों जगह पर 2.65 हेक्टेयर जमीन पर कॉरपोरेशन नया भवन तैयार कराने जा रहा है। इंदौर में भी कॉरपोरेशन एक हेक्टेयर का अपना कार्यालय तैयार करवा रहा है। अक्टूबर में मेट्रो का सफल ट्रायल होने के बाद कॉरपोरेशन अब अपनी जमीनों को विकसित करने में लग गया है। सुभाष डिपो के पास 10 हजार 72 वर्गमीटर जमीन को विकसित किया जाएगा, जबकि बीयू के पास 16 हजार 500 वर्गमीटर जमीन विकसित होगी।

कांट्रेक्टर देगा मासिक प्रोग्रेस रिपोर्ट

केंद्रीय आवासन विभाग ने मप्र मेट्रो रेल कॉरपोरेशन को पत्र लिखकर नए टेंडर जारी करने और काम की गति को बनाए रखने की बात कही है। इसमें स्पष्ट किया है कि किसी भी तरह के दस्तावेज काम को लेकर तय एक्सपर्ट्स से ही बनवाएं, ताकि गलतियां न हों। जो काम जारी है, उनकी मासिक रिपोर्ट लें ताकि प्रगति की जानकारी लगती रहे।

10/10/2023 | Bhopal | Page : 2
Source : https://epaper.patrika.com/

MPMETRO

MPMETRO

METRO NEWS

11th October,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
47	हरि भूमि	भोपाल	11.10.2023	03	मेट्रो निर्माण कार्य समय सीमा मे पूरे होंगे आचार संहिता मे नहीं रुकेगा कोई काम	Neutral

हरिभूमि
भोपाल भूमि फ्रंट पेज
भोपाल, बुधवार 11 अक्टूबर 2023

बायडक्ट के बचे निर्माण में आई तेजी

मेट्रो निर्माण कार्य समय सीमा में पूरे होंगे आचार संहिता में नहीं रुकेगा कोई काम

सुभाष नगर से रानी कमलापति तक सभी मेट्रो स्टेशन अपडेट हुए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

विधानसभा चुनावों को लेकर लागू हुई आचार संहिता के चलते सरकारी काम भले ही प्रभावित हों, लेकिन भोपाल मेट्रो निर्माण कार्य समय सीमा में ही पूरे होंगे। आचार संहिता में मेट्रो के निर्माण कार्य नहीं रुकेंगे। रानी कमलापति रेलवे

स्टेशन से डीआरएम ऑफिस तक बायडक्ट के बचे निर्माण में भी तेजी आ गई है। इससे अगले साल अप्रैल तक सुभाष नगर से एम्स तक मेट्रो ट्रेन का संचालन पब्लिक के लिए शुरू हो जाएगा। मेट्रो कंपनी अधिकारियों के अनुसार, सुभाष नगर से रानी कमलापति तक के सभी सिविल वर्क व मेट्रो स्टेशन के काम पूरे हो चुके हैं। इस पर मेट्रो ट्रेन का तीन अक्टूबर से ट्रायल रन रोजाना चल रहा है। इसके साथ ही रानी कमलापति से डीआरएम ऑफिस के बीच बायडक्ट का शेष बचा काम व स्टील ब्रिज के काम में काफी तेजी आ गई है। जबकि डीआरएम ऑफिस से एम्स तक बायडक्ट के बचे काम भी अंतिम चरण में हैं। इन्हें दो माह के अंदर पूरा कर लिया जाएगा।

MPMETRO

MPMETRO

METRO NEWS

12th October,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
48	दैनिक जागरण	भोपाल	12.10.2023	01	भोपाल का सौंदर्यीकरण: दीवारों पर छाया वायुसेना का अदम्य शौर्य और भोपाल की मेट्रो ट्रेन	Neutral

जागरण Lake सिटी

www.djmp.in/epaper

दैनिक जागरण

भोपाल, 12 अक्टूबर 2023

भोपाल का सौंदर्यीकरण: दीवारों पर छाया वायुसेना का अदम्य शौर्य और भोपाल की मेट्रो ट्रेन

जागरण सिटी रिपोर्टर। देश चांद पर पहुंच चुका है और चंद्रयान-3 की सफलता से पूरा देश गर्वित है। भोपाल में भारतीय वायु सेना ने एयर शो करके अपने शौर्य का प्रदर्शन किया, तो वहीं भोपाल में मेट्रो ट्रेन का ट्रायल हो चुका है। अभी तक इन चीजों को हमने अपनी आंखों से होते हुए देखा। अब यही चीजें दीवारों पर बोलती हुई नजर आ रही हैं। भोपाल के सौंदर्यीकरण के तहत इन उपलब्धियों को दीवारों पर उतारा जा रहा है। रोशनपुरा चौराहे से पॉलीटेक्निक रोड की दीवारें जहां चंद्रयान और मेट्रो ट्रेन से सज रही हैं, वहीं एमएलबी कॉलेज के रोड साइड में वायुसेना के एयर शो को प्रदर्शित किया जा रहा है।

छाया : एचसी वर्मा

MPMETRO

METRO NEWS
14.10.2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
49	दैनिक भास्कर	भोपाल	14.10.2023	17	भोपाल मेट्रो : 3.39 किमी रूट अंडरग्राउंड बनेगा, बिड खुली	Neutral

दैनिक भास्कर

भोपाल 14-10-2023

PG-17

छह कंपनियों ने दिखाई टेक्निकल बिड में रुचि

भोपाल मेट्रो : 3.39 किमी रूट अंडरग्राउंड बनेगा, बिड खुली

सिंधी कॉलोनी से ऐशबाग रेलवे क्रॉसिंग तक है अंडरग्राउंड रूट

विशेष संवाददाता | भोपाल

भोपाल मेट्रो के एक फेज में ट्रायल रन शुरू होने के बाद अब दूसरे की तैयारी चल रही है। मेट्रो प्रोजेक्ट के 3.39 किमी के अंडरग्राउंड हिस्से के कंस्ट्रक्शन में देश की छह बड़ी कंस्ट्रक्शन कंपनियों ने रुचि दिखाई है। मेट्रो रेल कंपनी की ओर से खोली गई टेक्निकल बिड में दिल्ली, मुंबई, पुणे, चेन्नई, हैदराबाद और कानपुर में मेट्रो रूट, स्टेशन आदि का कंस्ट्रक्शन करने वाली कंपनियों ने भोपाल में अंडरग्राउंड कंस्ट्रक्शन करने के लिए अपना टेंडर दिया है।

इनमें गुलेमार्क, हिंदुस्तान कंस्ट्रक्शन कंपनी, आईटीडी सीमेंटेशन इंडिया लिमिटेड, लार्सन एंड टुब्रो लिमिटेड और टाटा प्रोजेक्ट्स शामिल हैं। भोपाल मेट्रो की ऑरेंज लाइन यानी करोंद से एम्स के 14.99 किमी में से सिंधी कॉलोनी से ऐशबाग रेलवे क्रॉसिंग तक 3.39 किमी का हिस्सा अंडरग्राउंड है।

इस हिस्से में दो मेट्रो स्टेशन होंगे। एक भोपाल रेलवे स्टेशन और दूसरा नादरा बस स्टैंड। इसके लिए मई 2023 में टेंडर बुलाए गए थे और इसकी लागत 892 करोड़ रुपए अनुमानित है। यह काम साढ़े तीन साल में पूरा होने की उम्मीद है। मेट्रो की दोनों लाइन का यह अकेला अंडरग्राउंड हिस्सा है। टेक्निकल बिड के परीक्षण के बाद फाइनेंशियल बिड खोली जाएगी। लेकिन उसका खुलासा आचार संहिता के बाद ही होगा।

MPMETRO

METRO NEWS

15.10.2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
50	दैनिक भास्कर	भोपाल	15.10.2023	14	एक साल मे सवा 7 हजार करोड़ के पाँ देंगे ट्राफिक को रफ्तार	Neutral

दैनिक भास्कर भोपाल 15-10-2023

सुगम सफर... कोलार सिक्सलेन, मेट्रो, जीजी फ्लाईओवर, करोंद और ऐशबाग आरओबी बदलेंगे शहर की तस्वीर

एक साल में सवा 7 हजार करोड़ के पांच प्रोजेक्ट देंगे ट्रैफिक को रफ्तार

इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट

आने वाले एक साल में शहर में ट्रैफिक की रफ्तार बढ़ने जा रही है। इसकी वजह हैं वो पांच प्रोजेक्ट, जिन पर करीब 7 हजार 384 करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं। सिक्सलेन, मेट्रो, फ्लाईओवर और आरओबी से जुड़े इन प्रोजेक्ट से पूरे शहर को फायदा होगा।

इंफ्रास्ट्रक्चर रिपोर्टर | भोपाल

नवाबकाल में लगभग 300 साल पहले भोपाल में एक ब्रिज बना पुल पुख्ता, जिसके कारण छोटा तालाब अस्तित्व में आया। अगर 67 साल पहले के भोपाल को याद करें तो पुराने शहर में हमीदिया रोड और सुल्तानिया रोड के अलावा नए शहर में मेन रोड नंबर-1 जैसी गिनी-चुनी ही सड़कें थीं। नया शहर बसने पर इस इलाके में कई सड़कें बनीं।

इस समय शहर में 14 फ्लाईओवर और आरओबी हैं। तीन और बन रहे हैं। एक का काम शुरू होना है। दो और मंजूर हो चुके हैं। और कई अन्य मंजूरी की कतार में हैं। आज से 67 साल पहले जहां कुछ गिनी-चुनी सड़कें ही थीं। पुराने शहर में हमीदिया रोड और नए शहर में मेन रोड नंबर 1 के अलावा किसी और सड़क पर ट्रैफिक नजर नहीं आता था। आज भी भोपाल को अन्य महानगरों की तुलना में बेहतर ट्रैफिक वाला शहर ही माना जाता है। एक आम आदमी यहां 10-15 मिनट में अपने गंतव्य तक पहुंच जाता है। लेकिन रफ्ता-रफ्ता बढ़ते शहर को अब नई रफ्तार की जरूरत महसूस हो रही है।

शहर फैलता जा रहा है। एक तरफ कोलार से दूसरी तरफ बैरागढ़ और एक तरफ आनंद नगर से दूसरी तरफ भदभदा नीलबड़ तक बसाहट हो गई है। बैरागढ़ में रहने वाले लोग भी मंडीदीप तक आना-जाना कर रहे हैं। ऐसे में न केवल पब्लिक ट्रांसपोर्ट बल्कि पर्सनल वाहनों के लिए भी पर्याप्त इंतजाम जरूरी हो गए हैं।

किस प्रोजेक्ट की कितनी लागत...

6941	126	222	15	20
करोड़ मेट्रो	करोड़ जीजी फ्लाईओवर	करोड़ कोलार सिक्स लेन	करोड़ करोंद आरओबी	करोड़ ऐशबाग आरओबी

मेट्रो... ट्रायल रन शुरू, संचालन 6 माह में

भोपाल जिस तरह से बढ़ रहा है उसमें केवल मेट्रो प्रोजेक्ट से शहर की जरूरत पूरी नहीं होने वाली है। बल्कि कई फ्लाईओवर और चौड़ी सड़कों की जरूरत है। 1960 के आसपास पुल बोगदा अस्तित्व में आया। 1970 के दशक में भारत टॉकीज ब्रिज बना। इसके बाद चेतक ब्रिज बना। चेतक ब्रिज के बनने से भेल इलाका नए शहर से सीधा जुड़ गया। इसके बाद भदभदा, हबीबगंज आरओबी, सुभाष नगर आरओबी, केबल स्टे ब्रिज, आर्च ब्रिज, स्टेट बैंक चौराहा ब्रिज, लालघाटी ग्रेड सेपरेटर, सिंगारचोली आरओबी, दाता कॉलोनी फ्लाईओवर, आसाराम तिराहा फ्लाईओवर बने। इन सबसे कहीं न कहीं शहर का ट्रैफिक सुधरा ही है और अभी इसमें और सुधार की जरूरत है। इसके लिए यह काम चल रहे हैं।

लगभग 15 साल से शहर में मेट्रो की बात चल रही है, लेकिन अब भरोसे से कहा जा सकता है कि एक साल के भीतर कम से कम एम्स से सुभाष नगर तक मेट्रो चल पड़ेगी। मेट्रो का पूरा प्रोजेक्ट 6941 करोड़ रुपए का है। इसमें अभी भले ही 4 किमी के मोस्ट प्रायोरिटी कॉरिडोर पर ट्रायल रन शुरू हो गया हो, लेकिन डिपो, मेट्रो ट्रेन आदि के पूरे प्रोजेक्ट के हिसाब से वर्क ऑर्डर दिए जा चुके हैं। शेष रूट के काम भी पाइप लाइन में हैं। यदि यह प्रोजेक्ट पूरा हो गया तो एक सिरे पर भदभदा से दूसरे सिरे पर रत्नागिरि और एक तरफ करोंद से दूसरी तरफ एम्स तक मेट्रो से आना-जाना किया जा सकेगा।

इनकी भी मंजूरी हो चुकी

51.45 करोड़ में भोपाल हाट से 6 नंबर तक फ्लाईओवर

68.60 करोड़ में करोंद चौराहा से अयोध्या बायपास तक फ्लाईओवर

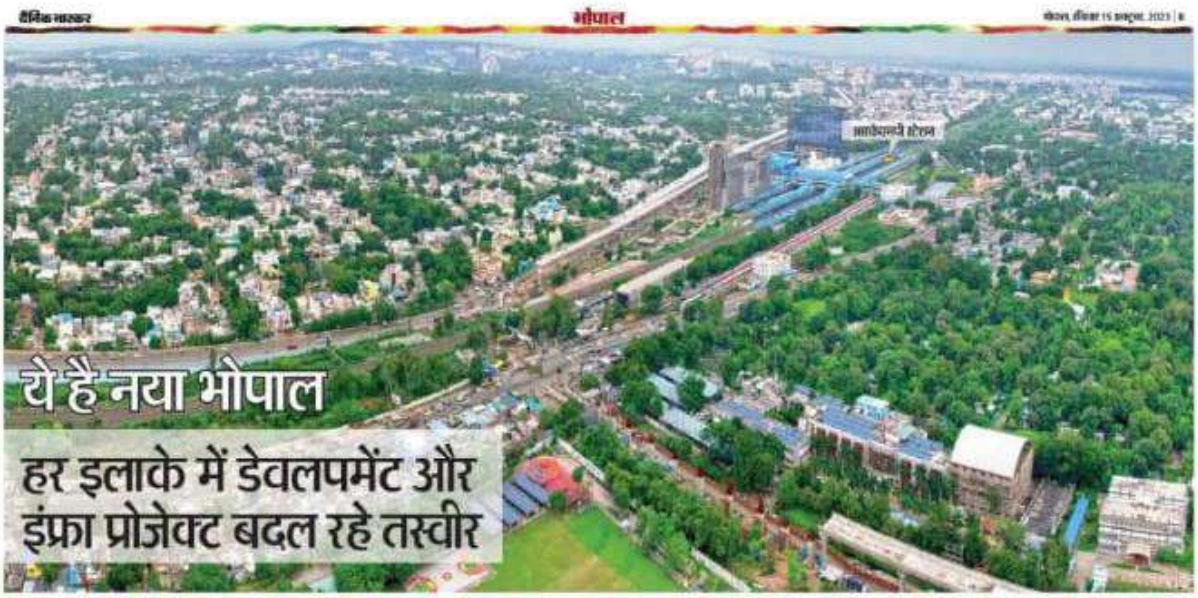

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
51	दैनिक भास्कर	भोपाल	15.10.2023	8	ये है नया भोपाल, हर इलाके मे डेवलपमें इंफ्रा प्रोजेक्ट बदल रहे तस्वीर	Neutral

MPMETRO

MPMETRO

METRO NEWS

18.10.2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
52	दैनिक भास्कर	भोपाल	18.10.2023	4	आज से 24 दिन बदला रहेगा हबीबगंज नाका, अलकापुरी, केवी 1 का ट्राफिक	Neutral

दैनिक भास्कर भोपाल 18-10-2023 Pg-04

मेट्रो स्टेशन निर्माण • भोपाल ट्रैफिक पुलिस ने जारी किया डायवर्सन प्लान

आज से 24 दिन बदला रहेगा हबीबगंज नाका, अलकापुरी, केवी 1 का ट्रैफिक

इन्फ्रास्ट्रक्चर रिपोर्टर, भोपाल भोपाल मेट्रो रेल परियोजना के तहत अलकापुरी, हबीबगंज नाका और केंद्रीय विद्यालय(केवी-1) के पास चल रहे मेट्रो स्टेशनों के निर्माण के लिए ट्रैफिक डायवर्सन प्लान किए गए हैं। तीनों ही स्थानों पर अगले 24 दिनों तक यानी 9 नवंबर तक ट्रैफिक बदले मार्ग से चलेगा। मेट्रो रेल कंपनी की सूचना के बाद भोपाल ट्रैफिक पुलिस ने ये प्लान बनाया है।

केंद्रीय विद्यालय

केंद्रीय विद्यालय-1 के पास स्टेशन निर्माण के चलते प्रेस कॉम्प्लेक्स तिराहा से इनकम टैक्स तिराहे की तरफ आवागमन बंद रहेगा। हल्के दो-चार पहिया वाहन इनकम टैक्स ऑफिस तिराहे से आरबीआई बैंक के पास स्वामी विवेकानंद रीजनल स्पाइन सेंटर, निर्माण सदन, भूजल भवन, बीएसएनएल ऑफिस से प्रेस कॉम्प्लेक्स तिराहा और एमपी नगर की तरफ आवागमन करेंगे। भारी वाहन इनकम टैक्स तिराहे से केंद्रीय विद्यालय, राजस्व राहत भवन तिराहा होकर आवागमन करेंगे।

असुविधा से बचने के लिए डायवर्सन का उपयोग करें...

हबीबगंज नाका

हबीबगंज नाका से डीआरएम ऑफिस तिराहा तक सभी प्रकार के वाहनों का आवागमन बंद रहेगा। इस मार्ग पर आवागमन करने वाले वाहन सांची पार्लर बूथ के सामने से कस्तूरबा अस्पताल होकर डीआरएम ऑफिस की तरफ आना-जाना कर सकेंगे।

अलकापुरी स्टेशन... एम्स के सामने बागसेवनिया से अलकापुरी की ओर जाने वाला एक तरफ का मार्ग केवल चार पहिया वाहनों के लिए बंद रहेगा। दो पहिया वाहन बागसेवनिया से अलकापुरी की तरफ आने-जाने के लिए वन वे का उपयोग करेंगे। चार पहिया और भारी वाहन एम्स के सामने से बागसेवनिया जाने के लिए रेलवे कॉलोनी, सागर पब्लिक स्कूल से होकर जा सकेंगे। अलकापुरी से बागसेवनिया चार पहिया वाहन एम्स के सामने वन वे का उपयोग कर सकेंगे।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
53	राज एक्स्प्रेस	भोपाल	18.10.2023	4	मेट्रो स्टेशन के निर्माण के दौरान 24 दिन बंद रहें	Neutral

मेट्रो स्टेशन के निर्माण के दौरान 24 दिन बंद रहेंगे तीन महत्वपूर्ण मार्ग

हबीबगंज, केन्द्रीय विद्यालय व अलकापुरी स्टेशन का होना है निर्माण

भोपाल। मेट्रो रेल परियोजना के तहत हबीबगंज नाका मेट्रो रेल स्टेशन, अलकापुरी मेट्रो रेल स्टेशन व केन्द्रीय विद्यालय मेट्रो स्टेशन के निर्माण कार्य के दौरान इनसे गुजरने वाले तीन महत्वपूर्ण मार्ग 24 दिन के लिए पूरी तरह रहेंगे। हबीबगंज स्टेशन के निर्माण के दौरान हबीबगंज नाका से डीआरएम तिराहा तक मार्ग को पूरी तरह बंद रखा जाएगा। इस रास्ते से गुजरने वाले वाहन सांची बूथ केन्द्र के सामने वाले मार्ग से कस्तूरबा अस्पताल होकर डीआरएम ऑफिस तिराहा की ओर आवागमन कर सकेंगे। इसी प्रकार अलकापुरी मेट्रो स्टेशन के निर्माण के दौरान एम्स के सामने बाग सेवनिया से अलकापुरी की ओर जाने वाला एक तरफा मार्ग पूरी तरह से बंद रहेगा। इस दौरान बाग सेवनिया से अलकापुरी की ओर आने वाले दोपहिया वाहन एकांगी मार्ग का इस्तेमाल कर पहले की तरह आवागमन कर सकेंगे। इसके अलावा सभी प्रकार के चारपहिया, तीन पहिया, बस अथवा भारी वाहन एम्स के सामने बाग सेवनियां से अलकापुरी जाने के लिए रेलवे कॉलोनी व सागर पब्लिक स्कूल वाले मार्ग पर आवागमन कर सकेंगे। केन्द्रीय विद्यालय मेट्रो स्टेशन निर्माण के दौरान प्रेस काम्प्लेक्स तिराहा से इंकम टैक्स तिराहा तक मार्ग 24 दिन के लिए पूरी तरह बंद रहेगा। सुभाष नगर से एमपी नगर की ओर जाने वाले वाहन सुभाष नगर, इंकम टैक्स ऑफिस तिराहा, रीजनल साइंस सेंटर, निर्माण सदन, भूजल भवन, बीएसएनएल ऑफिस, प्रेस काम्प्लेक्स तिराहा होकर एमपी नगर की ओर आवागमन कर सकेंगे। इसी प्रकार एमपी नगर से सुभाष नगर की ओर जाने वाले वाहन प्रेस काम्प्लेक्स, बीएसएनएल ऑफिस, भूजल भवन, निर्माण सदन, आरबीआई बैंक, इंकम टैक्स ऑफिस तिराहा होकर सुभाष नगर की ओर जा सकेंगे।

67 हजार के बनाए चालान

मंडीदीप। सतलापुर थाना पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान सीट बेल्ट, हेलमेट, रंगीन फिल्म नम्बर प्लेट हूटर सहित अन्य मामलों में कार्यवाही करते हुए 67 हजार 800 रुपए के चालान काटे। साथ ही आधा दर्जन से अधिक चार पहिया वाहनों को जप्त कर न्यायालय में प्रस्तुत किया जहां जुर्माना लगाया गया।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
54	Times of India	Bhopal	18.10.2023	6	Route diversion for Metro work till Nov 9	Neutral

Route diversion for Metro work till Nov 9

Traffic Cops Urge People To Follow Guidelines

TIMES NEWS NETWORK

Bhopal: Traffic routes will remain diverted till November 9, due to the ongoing metro stations' construction work near Alka near Alkapuri, Habibganj Naka and Central School under the Bhopal Metro Rail Project. Keeping safety and convenience in mind, the traffic police have appealed to the public to use diverted routes.

Alkapuri Station

One-way Road from Bag Sewania towards Alkapuri in front of AIIMS will be closed for four-wheelers, two-wheelers can access this route. Four-wheelers and heavy vehicles will use the Railway Colony, Sagar Public School route to reach Bag Sewania from in front of AIIMS. Four-wheelers going from Alkapuri to Bag Sewania can use the road in front of AIIMS.

Rakesh Mewade

Habibganj Naka

Movement of vehicles of all types will remain closed from Habibganj Naka to DRM Office Trisection. Vehicles travelling on this route will be able to travel from in front of Sanchi Parlor Booth via Kasturba Hospital towards the DRM office.

Press Complex

Due to construction of metro station near Central School, traffic from the Press Complex Trisection towards the Income Tax Trisection will remain closed.

Light two-wheeler and four-wheeler vehicles will move from Income Tax Office Trisection to Swami Vivekananda Regional Spine Center near RBI Bank, Nirman Sadan, Bhujal Bhawan, BSNL Office towards Press Complex Trisection and MP Nagar. Heavy vehicles will travel from the Income Tax Trisection via Central School, Revenue Relief Bhawan Trisection.

The traffic police have requested the public to cooperate, follow traffic guidelines and use the diverted routes.

In case of any inconvenience, the traffic police can be contacted on the phone number **0755-2677340, 2443850**.

MPMETRO

MPMETRO

METRO NEWS

19.10.2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
55	पत्रिका	भोपाल	19.10.2023	3	मेट्रो के चलते दिन मे ट्राफिक डायवर्ट नहीं	Neutral

BHOPAL PRIME
भोपाल प्राइम
शुभ नवरात्र
पत्रिका patrika.com
भोपाल, गुरुवार, 19 अक्टूबर 2023

मेट्रो के चलते दिन में ट्रैफिक डायवर्ट नहीं

भोपाल. मेट्रो ट्रेन स्टेशन का काम अब रात के समय ही चलेगा। दिन में यहां ट्रैफिक सामान्य स्थिति में ही गुजरेगा। इसके लिए डायवर्जन नहीं रहेगा। केंद्रीय विद्यालय मेट्रो स्टेशन के पास मेट्रो का काम रात नौ बजे शुरू होकर सुबह सात बजे तक चलेगा। इसी तरह बोर्ड ऑफिस चौराहा के पास रात दस बजे से सुबह सात बजे तक काम होगा। दिन में यहां ट्रैफिक जारी रहेगा। सुभाष नगर में मेट्रो का काम पूरा हो चुका है।

MP Metro News

30 Oct ,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
56	Haribhumi	Bhopal	30.10.2023	03	सुभाष नगर से रानी कमलापति स्टेशन तक सड़क सुधारेगी मेट्रो कंपनी	Neutral

हरिभूमि
भोपाल भूमि फ्रंट पेज
भोपाल, सोमवार 30 अक्टूबर 2023

भोपाल मेट्रो ऑरेंज लाइन का सुभाष नगर-रानी कमलापति ट्रायल रन हुआ पूरा

सुभाष नगर से रानी कमलापति स्टेशन तक सड़क सुधारेगी मेट्रो कंपनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भोपाल मेट्रो ऑरेंज लाइन ने सुभाष नगर डिपो और रानी कमलापति स्टेशन के बीच कॉरिडोर पर एक सफल सुरक्षा परीक्षण पूरा कर लिया है। इससे परियोजना के प्रारंभिक चरण का मार्ग प्रशस्त हो गया है, जो एम्स और सुभाष नगर के बीच 5 किमी के खंड को कवर करेगा। इसके साथ ही नीचे की निर्माण के दौरान खराब हुई सड़क भी कंपनी के द्वारा बनाई जाएगी।

कंपनी के अनुसार भोपाल मेट्रो कॉरिडोर का यह खंड करोंद चौराहे को एम्स से जोड़ता है और इसमें 16 स्टेशन होंगे। मध्य प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन और भोपाल मेट्रो रेल परियोजना के अन्य देखरेख करने वाले अधिकारियों के अधिकारियों ने परीक्षण परिणामों पर संतुष्टि व्यक्त की थी। इसके बाद ही आगे के काम शुरू होने का रास्ता साफ हुआ। इस ट्रायल रन का सफल समापन भोपाल को आधुनिक मेट्रो प्रणाली के एक कदम और करीब लाता है।

खास बातें

- परियोजना के प्रारंभिक चरण का मार्ग हुआ प्रशस्त, जो 5 किमी के खंड को करेगा कवर

2024 लॉन्च से पहले भोपाल मेट्रो में 27 अत्याधुनिक ट्रेनसेट जोड़े जाएंगे

भोपाल मेट्रो सिस्टम को 27 नए तीन कॉन्फिगरेशन वाले ट्रेनसेट मिलने वाले हैं। पहला ट्रेनसेट 18 सितंबर को सुभाष नगर मेट्रो डिपो में उतार कर इसका ट्रायल रन पूरा कर लिया गया है।

भोपाल मेट्रो से शहर में होने वाले ट्रैफिक जाम से मिलेगी राहत

भोपाल मेट्रो से शहर में ट्रैफिक जाम की समस्या कम होने की संभावना है। इस परियोजना में कुल 6 मेट्रो लाइन शामिल हैं। प्रथम चरण के तहत लाइन 2 और लाइन 5 का निर्माण पहले ही शुरू हो चुका है और अन्य का निर्माण बाद में किया जाएगा। ये मेट्रो लाइनें विभिन्न स्टेशनों को कवर करेंगी, जिससे शहर के विभिन्न हिस्सों को कनेक्टिविटी मिलेगी।

आगामी भोपाल मेट्रो की मुख्य विशेषताएं

- अत्याधुनिक ट्रेनें हल्की हैं और 15 साल के व्यापक रखरखाव पैकेज के साथ आती हैं।
- भोपाल मेट्रो ट्रेनों में 50 यात्रियों के बैठने की क्षमता और 300 लोगों के खड़े होने की क्षमता है।
- ट्रेनें 80 किमी प्रति घंटे की अधिकतम गति से चलने में सक्षम हैं।
- ट्रेनें सीबीटीसी संचार आधारित ट्रेन नियंत्रण सिग्नलिंग प्रणाली के साथ हैं।
- भोपाल मेट्रो का वाणिज्यिक संचालन मई या जून 2024 में शुरू होने की उम्मीद है।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
57	Patrika	Bhopal	30.10.2023	07	मेट्रो ट्रेन में टिकट के लिए एनएफसी सिस्टम	Neutral

MY CITY
माय सिटी 07 पत्रिका
भोपाल, सोमवार, 30 अक्टूबर 2023

मेट्रो ट्रेन में टिकट के लिए एनएफसी सिस्टम

भोपाल. मेट्रो ट्रेन का टिकटिंग सिस्टम अत्याधुनिक होगा। ऑटोमेटिक टिकट फेयर सिस्टम के साथ एनएफसी यानि नियर फिल्ड कम्युनिकेशन सिस्टम का इस्तेमाल भी होगा। मोबाइल में डिजिटल टिकट अपलोड होगा। इसे मोबाइल की स्क्रीन से स्कैन करते ही प्लेटफॉर्म का गेट खुल जाएगा। गौरतलब है कि बीआरटीएस में भी ऑटोमेटिक टिकट फेयर सिस्टम की स्थापना की थी, लेकिन अनदेखी की वजह से ये बंद हो गया।